हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 135 | देहरादून, शनिवार, 18 नवंबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

एसीएस राधा रतूड़ी ने सिल्क्यारा रेस्क्यू ऑपरेशन का अपडेट लिया

3

प्रदेश में सभी टनल प्रोजेक्ट की होगी समीक्षा : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

उत्तरकाशी की घटना के बाद सीएम धामी ने दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 18 नवंबर। उत्तरकाशी में सुरंग में फंसे मजदूरों को लेकर रेस्क्यू जारी है, इसी बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए प्रदेश की सभी निर्माणधीन सुंरगों की समीक्षा करने के निर्देश दे दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि टनल निर्माण का कार्य एनएचआईडीसीएल कर रही है। सुरंग का काम पूरा होने वाला था। 400 मीटर का काम शेष रह गया था। इसकी मॉनिटरिंग भी वही लोग कर रहे थे। लेकिन आगे के लिए हम इस तरह के सभी निर्माण कार्यों की समीक्षा करेंगे।उत्तरकाशी में निर्माणाधीन टनल में 40 श्रमिकों के फंसने की घटना के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रदेश में सभी टनल प्रोजेक्ट की समीक्षा की जाएगी। शहरों की वहन क्षमता का भी हम आकलन कर रहे हैं। बता दें कि मसूरीए देहरादून.टिहरी समेत प्रदेश में कई टनल प्रोजेक्ट प्रस्तावित व विचाराधीन हैं। मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार को राज्य सचिवालय में मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एजेंसियां बचाव कार्य में जुटी हैं और राज्य सरकार इसमें उनका सहयोग कर रही है। प्रधानमंत्री कार्यालय भी बचाव अभियान पर नजर बनाए हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं लगातार बचाव कार्य देख रहे हैं।समीक्षा कर रहे हैं और हम लोगों से जानकारी ले रहे हैं। मुझसे भी उन्होंने फीडबैक लिया है। प्रधानमंत्री व केंद्र सरकार के स्तर से निर्देश दिए गए हैं कि ऐसी कठिन परिस्थितियों में जो एजेंसियां व विशेषज्ञ काम करते हैंए उनसे संपर्क किया जाए। ऐसे सभी लोग अभियान से जुड़े हैं और उनका मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है।

सभी को सुरक्षित बाहर निकालनाए पहली प्राथमिकता

सीएम ने कहाए मुझे बताया गया है कि वहां अत्याधुनिक मशीन ने काम करना शुरू कर दिया है। यह मशीन हर घंटे में पांच से 10 मीटर में ड्रिल करेगी। सब ठीक रहा हैए तो सभी भाइयों को हम जल्द निकाल पाएंगे। वहां जितनी भी एजेंसियां काम कर रही हैंए उन्हें राज्य सरकार की ओर से हर प्रकार का सहयोग दिया जा रहा है। मुख्य सचिव व अन्य अधिकारी उनके संपर्क में हैं। तकनीकी चीजें उन्हीं को करनी हैए राज्य सरकार उनको पूरा सहयोग देगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टनल में फंसे सभी श्रमिक सुरक्षित हैं। उनसे लगातार संपर्क हो रहा है। सभी को खानाए पानीए ऑक्सीजन सभी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। टनल के दौरान जो हालात बनेए उन्हें पहले नहीं देखा जाना चाहिए थाए इस प्रश्न पर सीएम ने कहा कि अभी हमारी सबसे पहली प्राथमिकता सभी को सुरक्षित बाहर निकालने की है।

एक प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि टनल निर्माण का कार्य एनएचआईडीसीएल कर रही है। सुरंग का काम पूरा होने वाला था। 400 मीटर का काम शेष रह गया था। इसकी मॉनिटरिंग भी वही लोग कर रहे थे। लेकिन आगे के लिए हम इस तरह के सभी निर्माण कार्यों की समीक्षा करेंगे।

सीएम ने अफसरों की बैठक में लिया अपडेट दिए निर्देश

देर रात इंदौर से दून पहुंचे मुख्यमंत्री ने सुबह सचिवालय पहुंचकर उच्चाधिकारियों की एक बैठक बुलाईए जिसमें उन्होंने सुरंग में फंसे श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए चलाए जा रहे बचाव अभियान की जानकारी ली।

24 मीटर तक की गई ड्रिलिंग इंदौर से मंगवाई जा रही एक और मशीन

उन्होंने कमिश्नर गढ़वाल और आईटी गढ़वाल से अपडेट लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे बचाव अभियान में जुटी केंद्रीय एजेंसियों को हरसंभव मदद करें। उनके साथ बेहतर समन्वय बनाएं। उन्होंने उम्मीद जताई कि विषम परिस्थितियों के बावजूद रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा होगा। इसके लिए हाईपावर ड्रिलिंग मशीन से काम हो रहा है। बैठक में एसीएस राधा रतूड़ीए सचिव आर मीनाक्षी सुंदरए गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडेय व सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी भी मौजूद थे।

उत्तराखंड में अब ऐसा रहेगा मौसम का मिजाज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 18 नवंबर : उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में नवंबर में तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ है। इसकी वजह मौसम का शुष्क होना है। दो हफ्ते से ज्यादा समय हो गया, ज्यादातर इलाकों मे बारिश नहीं हुई। चटख धूप खिल रही है, जिससे दिन के समय प्रदेश में तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ है। इसे देखते हुए नवंबर में दिन के समय प्रदेश में सामान्य से कम ठंड पड़ने की आशंका जताई जा रही है। अगले कुछ दिनों तक मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा।

पहाड़ों में कहीं-कहीं पाला और मैदानी क्षेत्रों में कुहासा छा सकता है। शीतकाल में भी सर्दी अभी अपने रंग में नहीं आई है। हालांकि, सुबह-शाम ठंड महसूस की जा रही है, लेकिन वह भी सामान्य है। ज्यादातर क्षेत्रों में अधिकतम तापमान सामान्य से दो से चार डिग्री सेल्सियस अधिक बना हुआ है।

उत्तराखंड में मानसून सीजन के अलावा भी अन्य माह में थोड़ी-बहुत वर्षा दर्ज की जाती है। हालांकि, पूरे वर्ष में नवंबर सबसे सूखा रहने वाला माह है।फिलहाल अगले सप्ताह तक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ की संभावना नहीं है। सामान्य सर्दी के लिए नवंबर अंत का इंतजार करना पड़ सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार नवंबर में ज्यादातर शहरों का अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक बने रहने का अनुमान है। हालांकि, न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास ही रह सकता है। दिसंबर की शुरुआत से पारे में तेजी से गिरावट दर्ज की जा सकती है। सशक्त पश्चिमी विक्षोभ के बाद पश्चिमी हिमालय की पहाड़ियों पर मध्यम से भारी हिमपात होने पर ही मैदानी इलाकों में ठंड असर दिखाएगी।

नैनीताल में खाई में गिरी जीप 7 लोगों की मौत की सूचना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

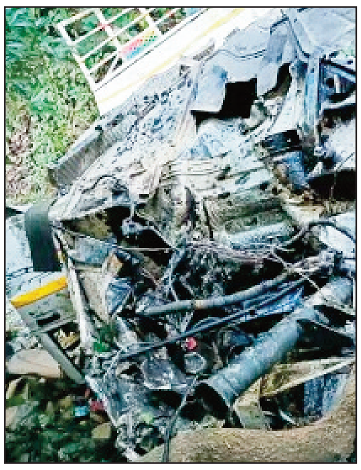

नैनीताल 18 नवंबर : नैनीताल जिले से एक बड़े सड़क हादसे की खबर आ रही है। यहां ओखलकांडा ब्लॉक के छीड़ाखान-रीठासाहिब मोटर मार्ग में शुक्रवार की सुबह एक जीप वाहन के खाई में गिरने से सात लोगों के मरने की आशंका है। हादसा डालकन्या और छीकान के पास हुआ, जहां जीप खाई में जा गिरी।जीप में कुल कितने लोग सवार थे, ये अभी पता नहीं चल सका है।

ग्रामीणों के अनुसार हादसे में कई लोगों के मारे जाने की आशंका है। दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। खबर लिखे जाने तक जिला प्रशासन की टीम मौके पर नहीं पहुंची थी। ग्रामीणों ने सुबह तहसीलदार को सूचना दी कि तललोट से लगभग 2-3 किलोमीटर दूर मीहार मोटर मार्ग पर डालकन्या निवासी राजू परनेरू की पिकअप रोड से नीचे गिर गई है। यहां ओखलकांडा ब्लॉक के छीड़ाखान-रीठासाहिब मोटर मार्ग में शुक्रवार की सुबह एक जीप वाहन के खाई में गिरने से सात लोगों के मरने की आशंका है। हादसा डालकन्या और छीकान के पास हुआ, जहां जीप खाई में जा गिरी। जीप में कुल कितने लोग सवार थे, ये अभी पता नहीं चल सका है। ग्रामीणों के अनुसार हादसे में कई लोगों के मारे जाने की आशंका है। दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। खबर लिखे जाने तक जिला प्रशासन की टीम मौके पर नहीं पहुंची थी। ग्रामीणों ने सुबह तहसीलदार को सूचना दी कि तललोट से लगभग 2-3 किलोमीटर दूर मीहार मोटर मार्ग पर डालकन्या निवासी राजू परनेरू की पिकअप रोड से नीचे गिर गई है।

कागज के कचरे से बनेंगी दर्द की दवाएं !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 नवंबर , पैरासिटामॉल और आइबुप्रोफेन दुनिया की सबसे आम ओवर-द-काउंटर पेन किलर दवाओं में से हैं, लेकिन इनको बनाने के लिए कच्चे तेल (Crude Oil) की जरूरत पड़ती है। अब, बाथ विश्वविद्यालय के रिसर्चर्स ने कागज उद्योग के कचरे से दवाएं बनाकर पर्यावरण को बचाने का एक नया जुगाड़ निकाला है।जब हमें सिरदर्द महसूस होता है, तो हममें से कई लोग बिना सोचे समझे बस एक पेनकिलर की गोली खा लेते हैं। लेकिन कई सामान्य फार्मास्यूटिकल्स, जैसे पैरासिटामॉल /एसिटामिनोफेन (टाइलेनॉल और पैनाडोल एक्टिव इंग्रेडिएंट्स) और आइबुप्रोफेन (जिसे एडविल या नूरोफेन के रूप में भी जाना जाता है), कच्चे तेल के केमिकल का उपयोग करके बनाए जाते हैं। पूरी दुनिया में हर साल करीब 1,00,000 टन पैरासिटामॉल और आइबुप्रोफेन का प्रोडक्शन होता है।बाथ यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर पब्लिश्ड एक रिपोर्ट के अनुसार, यूनिवर्सिटी के रसायन विज्ञान विभाग और इंस्टीट्यूट फॉर सस्टेनेबिलिटी के साइंटिस्ट्स की एक टीम ने 'चीड़ के पेड़ों' में पाए जाने वाले एक कम्पाउंड से, जो एक अपशिष्ट उत्पाद भी है, दुनिया की दो सबसे आम दर्द निवारक दवाएं पैरासिटामॉल और आइबुप्रोफेन बनाने का एक तरीका खोजा है।

रिसर्च टीम ने बायोरिन्यूएवल केमिकल बीटा-पाइनीन से कई अलग-अलग दवाइयां बनाने का तरीका निकाला है। बीटा-पाइनीन, असल में टरपेंटाइन यानी (तारपीन का तेल) का एक हिस्सा है। तारपीन का तेल, चीड़ के पौधों से भी निकलता है। रिपोर्ट के अनुसार, कागज़ इंडस्ट्री में भी हर साल कचरे के रूप में 3,50,000 टन से ज्यादा तारपीन का तेल निकलता है।वैज्ञानिकों ने बीटा-पाइनीन (β-Pinene) से पैरासिटामॉल और आइबुप्रोफेन बनाई है। क्योंकि दर्द से राहत देने वाली गोलियों में पूरी दुनिया में इन दोनों दवाओं का बड़े पैमाने पर उपयोग होता है। इसके अलावा साइंटिस्ट्स ने तारपीन से कई और केमिकल्स भी बनाए हैं, जिसमें- 4-HAP. यानी 4- भी शामिल है। इस केमिकल का उपयोग दिल की दवाओं और अस्थमा के इनहेलर में डाली जाने वाली दवाई साल्ब्यूटामॉल बनाने में होता है। इसके अलावा वैज्ञानिकों ने और भी कुछ केमिकल्स बनाए गए जो परफ्यूम और साफ़-सफाई के प्रोडक्ट्स में इस्तेमाल किये जाते हैं।बाथ यूनिवर्सिटी के रसायन विज्ञान विभाग में रिसर्च एसोसिएट डॉ जोश टिब्बेट्स ने बताया कि- फार्मास्यूटिकल्स बनाने के लिए तेल का उपयोग करना टिकाऊ नहीं है – यह न केवल बढ़ते CO_2 उत्सर्जन में योगदान दे रहा है, बल्कि इसके कीमत में भी उतार-चढ़ाव होता रहता है क्योंकि हम तेल के लिए ऐसे देशों पर निर्भर करते हैं जिनके पास तेल के बड़े भंडार हैं। बड़े तेल-भंडार के साथ, और यह और अधिक महंगा होने वाला है। जमीन से अधिक तेल निकालने के बजाय, हम भविष्य में इसे 'बायो-रिफाइनरी' मॉडल से बदलना चाहते हैं।

जॉश ने बताया कि- हमारे तारपीन बेस्ड बायो-रिफाइनरी मॉडल में हम कागज़ बनाने की इंडस्ट्री से निकले कचरे का उपयोग करते हैं। इनका उपयोग कई दवाइयां और प्रोडक्ट्स बनाने में किया जा सकता है।बाथ यूनिवर्सिटी के अनुसार, ये प्रोसेस अभी कच्चे तेल पर बेस्ड प्रोसेस से थोड़ी महंगी हो सकती है, पर ये प्रक्रिया पौधों से मिलने वाले केमिकल पर बेस्ड है, इसलिए इससे कार्बन एमिशन कम होगा, जो पर्यावरण के लिए भी काफी अच्छा है।दवाओं से होता है कितना प्रदूषण एक रिसर्च के अनुसार, दुनिया भर की फॉर्मास्यूटिकल्स इंडस्ट्री का ग्लोबल वार्मिंग में बड़ा कन्ट्रिब्यूशन है। दवाओं की इंडस्ट्री, दुनिया भर की ऑटोमोटिव प्रोडक्शन इंडस्ट्री से ज्यादा प्रदूषण पैदा करती है। रिसर्च में पाया गया कि दवा इंडस्ट्री ने Per 10 lakh Dollar की कमाई पर 48.55 टन कार्बन डाइऑक्साइड इक्विवेलेंट (CO_2e) यानी कार्बन डाइऑक्साइड या उसके जैसे दूसरे पॉल्यूशन फैलाने वाले केमिकल कम्पाउंड का उत्सर्जन किया है।

लोगों के अकाउंट खाली कर रहा एआई का फ्रॉड, जानिए कैसे बचें

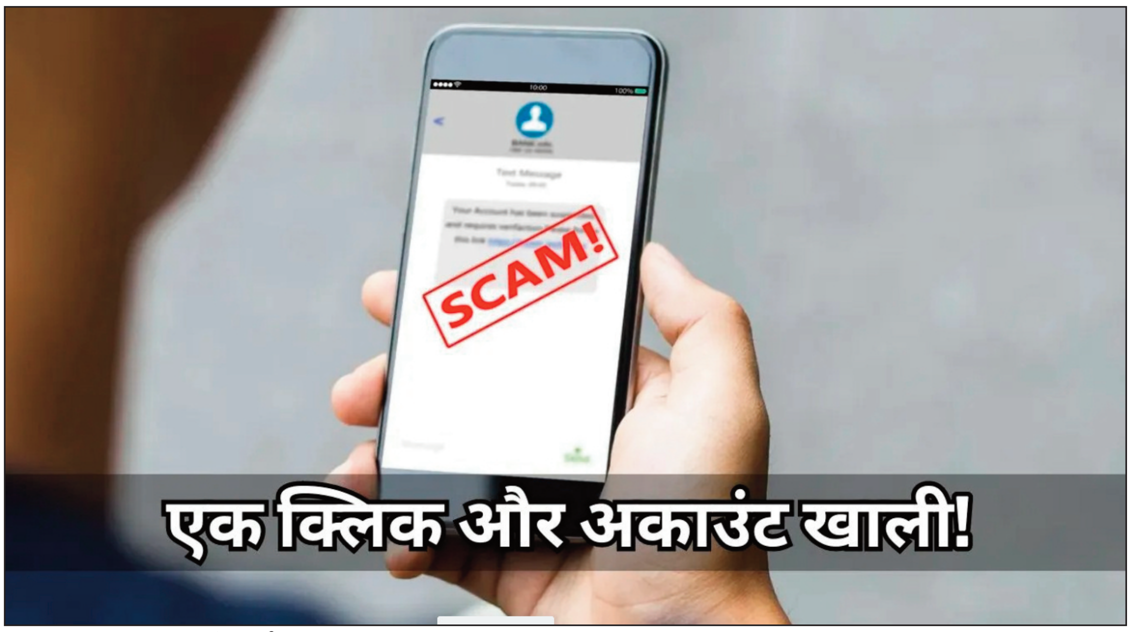

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 नवंबर , बीते दिनों डीपफेक के जरिये रश्मिका मंदाना के वायरल वीडियो के बारे में आपने सुना ही होगा। एक्ट्रेस ने खुद इस वायरल वीडियो पर खेद जताया था और इसे बेहद दुखद भी बताया। डीपफेक से न सिर्फ लोगों की इज्जत की धज्जियां उड़ाई जा रही है, बल्कि आने वाले समय के लिए काफी घातक भी बताया जा रहा है। डीपफेक के बाद अब वॉइस का भी डुप्लीकेशन बड़े आराम से किया जा रहा है। हैरत की बात तो ये है कि इस तरह ऑनलाइन फ्रॉड के मामलों में तेजी से इजाफा भी हो रहा है।बीते दिनों कई ऐसे मामले सामने आए, जहां आवाज को हूबहू किसी अन्य इंसान की आवाज से मैच करके ठगी की गई।

स्कैमर हूबहू आवाज बनाने के लिए एआई का सहारा लेते हैं और कॉल लगाते हैं। जिससे पैसे ठगने होते हैं, वे उसकी आवाज में उसके रिश्तेदारों या फिर अपनों से बात करते हैं और फिर उन्हें इस बात का भरोसा दिलाते हैं कि वाकई फोन पर वही इंसान बात कर रहा है।अब आपके मन में ये सवाल खड़ा हो रहा होगा कि अगर इस तरह से कॉल आता है तो कैसे उससे बचा जाए और अपना अकाउंट खाली होने से रोका जाए। तो हम आपको यहां ऐसे पांच तरीके बताने जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने आप को और अपनों को इस तरह की ऑनलाइन धोखाधड़ी से आराम से बचा सकते हैं।

सबसे पहले अगर आपको भी इस तरह का कोई कॉल आता है तो आप उस इंसान से डायरेक्ट बात करें, जिसके नाम से आपको कॉल आ रहा है। स्कैमर आपको भरोसा दिलाएगा कि वो आपका रिश्तेदार है और उसे पैसों की सख्त जरूरत है। लेकिन पैसे ट्रांसफर करने से पहले एक बार आप खुद अपने फोन से रिश्तेदार को कॉल कर लें और डायरेक्ट उन्हीं से इस बारे में बात कर लें कि असल में जिन्होंने फोन से बात कर पैसों की मांग की है, वो वही है या फिर कोई और। जरूरी नहीं है कि स्कैमर कॉल करके ही आपको फसाने की कोशिश करे। वो व्हाट्सएप के जरिये क्लोन अकाउंट बनाकर भी आपसे पैसों की मांग कर सकता है। ऐसे में आपको फिर से अपनी तरफ से श्योर होना है कि वो वही इंसान है या फिर कोई स्कैमर। अगर स्कैमर आपको किसी लिंक पर क्लिक करने के लिए कहता है तो आपको किसी भी तरह के अंजान लिंक पर क्लिक नहीं करना। तीसरी और सबसे जरूरी बात ये है कि किसी भी अंजान नंबर से फोन आए तो उसे उठाएं ही नहीं। अगर आपको लगता है कि जरूरी फोन कॉल है तो आप सोच समझकर ही फोन उठाएं और किसी भी तरह के जाल में ना फंसे। स्कैमर आपको भरोसा दिलाने के लिए वीडियो कॉल के जरिये आपको फोन कर सकता है। ऐसे में अगर वो आपका रिश्तेदार बनकर आपको फोन करता है तो सबसे पहले ध्यान दें कि जिस इंसान ने आपको फोन किया है, उसके होंठ चल रहे हैं या नहीं। अगर उसके होंठ नहीं चल रहे हैं तो समझ जाइये कि वो आपका खास या फिर कोई रिश्तेदार नहीं बल्कि ठग है। अगर आपको शक है कि वो आपका रिश्तेदार भी हो सकता है। और कहीं वो किसी बड़ी मुसीबत में ना हो। तो सीधे अपने रिश्तेदार को फोन करें। उससे इस बारे में बात करें। अगर आपका रिश्तेदार फोन कॉल नहीं उठाता है तो आप किसी अन्य करीबी से भी इस बारे में बात करके अपना शक दूर कर सकते हैं।

गूगल पीपल कार्ड बनाएं और अपना नाम भी देखें Google सर्च रिजल्ट में

Google People Card Kaise Banaye?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 नवंबर , गूगल पर किसी सेलिब्रिटी का नाम सर्च करते ही उसकी पूरी प्रोफाइल आ जाती है. आप भी अपनी प्रोफाइल को गूगल पर एड कर सकते हैं. जब कोई आपका नाम सर्च करेगा तो आपकी प्रोफाइल नजर आएगी. ये तरीका काफी आसान है, बस आपको कुछ बातों का ध्यान रखना है और यहां बताई प्रोसेस को फॉलो करना है.सर्च इंजन के Add me to Google फीचर की मदद से ऐसा होगा जाएगा. इसके जरिए आप खुद का गूगल पीपल कार्ड बना सकते हैं, जिसमें आपके नाम के साथ जरूरी डिटेल्स मौजूद रहती हैं. गूगल पर आपका नाम सर्च करने पर किसी सेलिब्रिटी की तरह ये सभी डिटेल्स नजर आ जाएंगी. इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाला कोई भी शख्स गूगल सर्च में अपना नाम जोड़ सकता है.

यहां हम आपको बताएंगे कि आप गूगल सर्च रिजल्ट में कैसे अपनी जगह बना सकते हैं.गूगल पीपल कार्ड केवल मोबाइल फोन पर नजर आता है. आपका नाम सर्च करने पर गूगल पीपल कार्ड कंप्यूटर या लैपटॉप पर नहीं दिखेगा. अमेरिकी टेक कंपनी ने इस फीचर को चुनिंदा देशों में ही जारी किया है. इंडिया समेत केन्या, नाइजीरिया और साउथ अफ्रीका में यह सुविधा मिल रही है. गूगल पर अपनी प्रोफाइल बनाने के लिए आपको इंग्लिश या हिंदी भाषा सेलेक्ट करनी होगी.

Google People Card: ऐसे बनाएं अपनी प्रोफाइल

पीपल कार्ड बनाने के लिए एक्टिव गूगल अकाउंट और मोबाइल नंबर होना जरूरी है. ध्यान रहे कि इन दोनों का पहले किसी दूसरे पीपल कार्ड को बनाने में इस्तेमाल ना हुआ हो. जब आप ये सभी शर्तें पूरी करेंगे तो गूगल सर्च पर कार्ड बना सकते हैं.

गूगल पीपल कार्ड बनाने के लिए इन स्टेप्स को फॉलो करें.

मोबाइल फोन में Google Search पर जाएं और add me to Search लिखकर सर्च करें.जब तक Add Yourself to Google Search सेक्शन नजर ना आए, तब तक स्क्रॉल करते रहें.Get Started पर टैप करें और वेरिफिकेशन के लिए मोबाइल नंबर दर्ज करें.मोबाइल नंबर इंटरनेट पर किसी को भी नजर नहीं आएगा. आप परमिशन देंगे तो ही शो होगा.अगले पेज पर अपने बारे में कुछ बेसिक डिटेल्स भरें. यहां आपका नाम खुद फिल हो जाएगा, बस लोकेशन, खुद के बारे में, व्यवसाय, एजुकेशन, वेबसाइट, सोशल मीडिया अकाउंट्स, ईमेल, फोन नंबर और होम टाउन जैसी जानकारी दर्ज करें.Preview ऑप्शन पर टैप करके आप डिटेल्स चेक कर सकते हैं. सबकुछ ठीक है तो Sumbit ऑप्शन पर टैप करें.गूगल का कहना है कि कुछ घंटों में आपका नाम गूगल सर्च पर आ जाएगा. अगर आपका और किसी सेलिब्रिटी के नाम एक जैसा है, तो आपको प्रोफेशन या कोई और चीज एड करनी होगी, ताकि आपकी प्रोफाइल अलग नजर आए.

एसीएस राधा रतूड़ी ने सिल्क्यारा रेस्क्यू ऑपरेशन का अपडेट लिया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 नवंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सचिवालय स्थित आपदा नियंत्रण कक्ष में पहुंचकर उत्तरकाशी के सिल्क्यारा में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन का अपडेट लिया तथा महत्वपूर्ण निर्देश दिए। एसीएस राधा रतूड़ी ने सिल्क्यारा में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन की अद्यतन स्थिति एवं टनल में फंसे श्रमिकों की कुशलक्षेम की जानकारी ली। आपदा नियंत्रण कक्ष में सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी को जानकारी दी गई कि ढही हुई सुरंग के 40 मीटर के लिए शॉटक्रेटिंग के साथ खुदाई का कार्य प्रगति पर है। बाएं और दाएं दोनों तरफ शीर्ष से 10 मीटर ऊपर गुहा बन गई है, सुरंग के साथ चिमनी का निर्माण शुरू हो गया है।

अतिरिक्त शॉटक्रीट मशीन को आरवीएनएल पैकेज-III से कार्य स्थल पर स्थानांतरित किया गया है। प्राधिकरण अभियंता, टीम लीडर, आरवीएनएल से भूवैज्ञानिक निदेशक, एनएचआईडीसीएल के निदेशक (ए एण्ड एफ), निदेशक (टी) और कार्यकारी निदेशक (टी) और तथा सीजीएम, एनएचएआई के भू-तकनीकी विशेषज्ञों ने ढहने वाली जगह का समय-समय पर दौरा किया है। रात भर और उसके बाद सभी विकल्पों पर विचार किया गया तथा परिणामस्वरूप जो विकल्प कार्यान्वयन के अधीन है उसके तहत अंदर फंसे श्रमिकों को निकालने के लिए हाइड्रोलिक जैक की मदद से 900 मिमी व्यास वाले एमएस स्टील पाइप को धक्का देना।

अधिकारियों द्वारा एसीएस रतूड़ी को जानकारी दी गई कि सुरंग के अंदर फंसे कार्यबल के पास पानी, भोजन, ऑक्सीजन, बिजली सभी उपलब्ध हैं, छोटे भोजन के पैकेट भी संपीड़ित हवा के साथ एक पाइप के माध्यम से सुरंग के अंदर भेजे गए हैं। श्रमिकों द्वारा खाद्य सामग्री प्राप्त होने की पुष्टि की गई है। श्रमिकों द्वारा बताया गया है कि वे सभी फंसे हुए श्रमिक सुरक्षित हैं। शुक्रवार सुबह 9:30 बजे तक 22.0 मीटर पाइप पुशिंग का काम पूरा हो चुका है। पांचवें पाइप की पॉजिशनिंग का कार्य प्रगति पर है। स्टील पाइप को सफलतापूर्वक पुश करने के लिए विशेषज्ञों द्वारा कार्य की प्रगति की निगरानी की जा रही है।

एनएचआईडीसीएल के निदेशक (ए एंड एफ), निदेशक (टी), कार्यकारी निदेशक (पी) और बीआरओ, एनएचएआई, आरवीएनएल, राइट्स, भारतीय रेलवे, यूएसबीआरएल, इरकॉन, केआरसीएल, प्राधिकरण के इंजीनियर, मेसर्स नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड, एसजेवीएनएल के विशेषज्ञ और डिज़ाइनर मेसर्स बर्नार्ड बचाव अभियान की नज़दीकी निगरानी एवं श्रमिकों की जल्द निकासी के लिए साइट पर मौजूद हैं।

अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश हैं कि रेस्क्यू कार्यों में लगी सभी टेक्निकल एंजेसियों को शासन-प्रशासन एवं अधिकारियों द्वारा सभी आवश्यक सहयोग एवं सहायता ससमय उपलब्ध करवायी जानी चाहिए। एसीएस रतूड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बचाव कार्यों में लगी एंजेसियों और जिलाधिकारी उत्तरकाशी से निरन्तर अपडेट ले रहे हैं तथा कमिशनर गढ़वाल एवं आईजी गढ़वाल के निरन्तर सम्पर्क में हैं। मुख्यमंत्री ने राहत एवं बचाव कार्यों में लगी हुई केंद्रीय एजेंसियों की टीम की हौसला अफजाई की है । केन्द्र सरकार के स्तर से भी रेस्क्यू ऑपरेशन की निरन्तर निगरानी की जा रही है तथा राज्य सरकार को पूरा सहयोग मिल रहा है।

अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने मुख्यमंत्री की घोषणाओं की समीक्षा की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 नवंबर , अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने महिला एवं बाल विकास विभाग को जनपदों में सुगम एवं सुरक्षित स्थानों पर ही महिला छात्रावासों को स्थापित करने, सभी वर्किंग वूमेन हॉस्टल में बच्चों के लिए अनिवार्यतः क्रैश बनवाने, सभी सैनेटरी नैपकिन वैण्डिंग मशीनों में पर्याप्त रिफलिंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने महिला उत्पीड़न के खिलाफ विशेषकर बालकों को सेंस्टाइज (संवेदीकरण) करने हेतु स्कूल कॉलेज में जागरूकता अभियान चलाने एवं इस सम्बन्ध में विभाग को गाइडलाइन्स बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी पार्कों में एक हिस्सा अनिवार्यतः बच्चों के क्रीड़ा स्थल के रूप विकसित करने तथा पार्कों को इंटिग्रेटेड क्रीड़ा स्थल के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए हैं।

अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा सचिवालय में की। बैठक में कृषि एवं कृषक कल्याण, महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास, सैनिक कल्याण, परिवहन, नागरिक उड्डयन, तकनीकी शिक्षा एवं औद्योगिक विकास विभाग से सम्बन्धित घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। एसीएस रतूड़ी ने सभी विभागों को अपूर्ण घोषणाओं के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में अद्यतन स्थिति को मुख्यमंत्री घोषणा पोर्टल पर समय से अद्यतन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं प्राथमिकता से पूरा करने एवं तकनीकी कारणों से हस्तान्तरित एवं विलोपित की जाने वाली घोषणाओं को जल्द से जल्द अपडेट करने के भी निर्देश दिए हैं। एसीएस ने तकनीकी शिक्षा विभाग को टीएचडीसी-आईएचईटी को आईआईटी रूड़की का हिल कैम्पस बनाए जाने के सम्बन्ध में भारत सरकार को तत्काल प्रस्ताव भेजने के भी निर्देश दिए हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि राज्य के प्रत्येक जनपद मुख्यालय पर अध्ययनरत छात्राओं की शिक्षा को सुगम एवं सुविधाजनक बनाने हेतु एक-एक महिला छात्रावास के निर्माण के सम्बन्ध में तथा राज्य में आवश्यकतानुसार जनपद मुख्यालयों पर कामकाजी महिला छात्रावास के निर्माण हेतु विभाग द्वारा महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास मंत्रालय नई दिल्ली को वित्तीय एवं भौतिक स्वीकृति हेतु पत्र प्रेषित किया गया है। जी रैया चेली जागी रैया नौनी योजना के तहत जनपदों में 14-18 वर्ष की बालिकाओं को टीएचआर दिया जा रहा है। जी रैया चेली जागी रैया नौनी के तहत 11 से 18 वर्ष की किशोरियों को सेनेटरी नैपकीन उपलब्ध करवाने हेतु प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्रो में सेनेटरी नैपकीन वेण्डिंग मशीन स्थापना हेतु 10 करोड़ की धनराशि निर्गत की जा चुकी है। सेनेटरी नैपकिन वैंडिंग मशीन जीईएम के माध्यम से क्रय कर जनपद देहरादून और ऊधमसिंह नगर में आपूर्ति की जा चुकी है। अन्य जनपदों हेतु कार्यवाही गतिमान है। बैठक में कृषि एवं कृषक कल्याण, महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास, सैनिक कल्याण, परिवहन, नागरिक उड्डयन, तकनीकी शिक्षा एवं औद्योगिक विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

नैनीताल टैक्सी हादसा बेहद दुखद : यशपाल आर्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल , 18 नवंबर , जनपद नैनीताल में विकासखंड ओखलकांडा के अधौड़ा मिडार मोटर मार्ग पर एक टैक्सी वाहन दुर्घटनाग्रस्त होने पर 8 लोगों के अकस्मात निधन एवं कुछ लोगों के घायल होने की सुचना मिलते ही नेता विपक्ष और कांग्रेस के सीनियर लीडर यशपाल आर्य मौके पर पहुंचे और हालात का जायज़ा लिया। इस दौरान वरिष्ठ लीडर यशपाल आर्य ने घटनास्थल पर काफी देर मौजूद रहते हुए प्रशासन से वार्ता की और कहा कि घायलों को बेहतर से बेहतर इलाज मिल सके और प्रशासन त्वरित यथा संभव प्रयास करे ।

उन्होंने मृतकों के परिजनों तक अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान सभी दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं उनके परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें ।इस दौरान भारी संख्या में स्थानीय लोग और आर्य समर्थक भी मदद करते नज़र आये।

क़ई विशेष खूबियों से लैस है पीएम नरेंद्र मोदी का स्पेशल फोन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

क्या आप जानते हैं कि आखिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कौन सा फोन चलाते हैं? अगर आपके पास इस सवाल का जवाब नहीं है, तो कोई बात नहीं आइए आपको बताते हैं कि आखिर बातचीत के लिए पीएम मोदी कौन सा फोन इस्तेमाल करते हैं और इस फोन को किसने बनाया है?प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बातचीत के लिए सैटेलाइट या RAX (रिस्ट्रिक्टेड एरिया एक्सचेंज) फोन का इस्तेमाल करते हैं. रिपोर्ट्स में इस फोन की कुछ खूबियों का भी जिक्र किया है जिनके बारे में आपको पता होना चाहिए.

क्या है मोबाइल की खासियत ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए इस फोन को डिजाइन किया गया है. ये एक एन्क्रिप्टेड डिवाइस है जिसमें एक खास सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल हुआ है.अब आप सोच रहे होंगे कि जिस तरह से दुनियाभर में स्मार्टफोन यूजर्स प्राइवेसी और हैक होने के खतरे से डरते हैं तो क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फोन भी हैक हो सकता है? बता दें कि ऐसा करना संभव नहीं है, ना ही ये फोन ट्रेस किया जा सकता है और ना ही ये फोन हैक किया जा सकता है, ऐसा इसलिए क्योंकि ये फोन मिलिट्री फ्रीक्वेंसी बैंड पर काम करता है.

क्या है फोन का नाम?

रिपोर्ट्स में बताया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस फोन का इस्तेमाल करते हैं उसका नाम रुद्रा है और इस फोन को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा तैयार किया गया है.ये एक एंड्रॉयड फोन है लेकिन इसमें एक स्पेशल और खास ऑपरेटिंग सिस्टम का इस्तेमाल हुआ है जो काफी सेफ है और इस डिवाइस में कई सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं. सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए और साइबर हमलों से बचाने के लिए रुद्रा फोन में इन बिल्ट सिक्योरिटी चिप को लगाया गया है.

हालांकि, इस बात का कोई सटीक जवाब तो नहीं है कि आखिर पीएम मोदी किस फोन का इस्तेमाल करते हैं क्योंकि हमेशा ही रिपोर्ट्स के जरिए अलग-अलग बातें सामने आती रहती हैं.

राष्ट्रीय तकनीकी अनुसंधान संगठन यानी NTRO और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग यानी DEITY जैसी एजेंसी हर वक्त निगरानी के लिए मुस्तैद रहती हैं.

छठी मैया कौन हैं? क्यों की जाती है छठ पूजा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 नवंबर चार दिवसीय छठ महापर्व का आरंभ 17 नवंबर को नहाय-खाय के साथ हो गया है। लोक आस्था के चार दिवसीय पर्व का दूसरा दिन खरना पूजा के नाम से जाना जाता है। इस व्रती छठी मैया के लिए गुड़ और चावल का खीर बनाती हैं। जिसे छठी मैया को भोग लगाने के बाद अन्य लोग भी ग्रहण करते हैं। कहते हैं कि यह पर्व प्रकृति के छठे रूप षष्ठी माता को समर्पित है। जिनकी पूजा छठ पूजा के दौरान की जाती है।

आइए जानते हैं कि छठी मैया कौन हैं और इनकी पूजा क्यों की जाती है?छठा मैया कौन हैं?पैराणिक कथा के अनुसार, षष्ठी माता सूर्य देव की बहन हैं। कहते हैं कि इन्हीं को प्रसन्न करने के लिए जीवन के महत्वपूर्ण अवयवों में सूर्य व जल की महत्ता को मानते हुए, इन्हें साक्षी मान कर भगवान सूर्य की आराधना की जाती है। छठ पूजा के दौरान मां गंगा-यमुना या किसी भी पवित्र नदी या पोखर के किनारे यह पूजा की जाती है।शास्त्रों में षष्ठी माता को बच्चों की रक्षा करने वाली देवी कहा गया है। मान्यता है कि जो कोई इस कठिन व्रत को विधिवत करता है, उसकी संतान को दीर्घायु होने का वरदान प्राप्त होता है। इस बात का जिक्र मार्कण्डेय पुराण में भी है कि सृष्टि की अधिष्ठात्री देवी ने खुद को छह भागों में विभक्त कर लिया। इनके छठे अंश को षष्ठी देवी का रूप मानकर पूजा-अर्चना की जाती है। ब्रह्मा जी की मानस पुत्री छठी माता बच्चों की रक्षा करने वाली हैं। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को इन्हीं की पूजा होती है।एक अन्य मान्यता के अनुसार, शिशु के जन्म के छठे दिन इन्हीं देवी की पूजा होती है। कहा जाता है कि इनकी पूजा करने से बच्चों को लंबी आयु का वरदान प्राप्त होता है। शास्त्रों के अनुसार, माता षष्ठी को ही कात्यायनी कहा गया है। जिनकी पूजा नवरात्रि के छठे दिन भी होती है।

25 जुलाई को ही क्यों होता है भारत के राष्ट्रपति का शपथ ग्रहण?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 नवंबर , पहली बार नीलम संजीव रेड्डी ने 25 जुलाई 1977 को देश के छठे राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण किया था. उसके बाद से हर बार राष्ट्रपति पद के लिए 25 जुलाई के दिन ही शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया जाता है।भारत के राष्ट्रपति का शपथ ग्रहण 25 जुलाई को ही होगा, ऐसा कोई लिखित नियम नहीं है।

इसके अपवाद भारत के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद, उनके उत्तराधिकारी सर्वपल्ली राधाकृष्णन, फिर जाकिर हुसैन और फखरुद्दीन अली अहमद रह चुके हैं। राजेंद्र प्रसाद ने 26 जनवरी 1950 को शपथ ली थी । जिस दिन भारत एक गणतंत्र बना था। फिर 1952 में उन्होंने पहला राष्ट्रपति चुनाव जीता और फिर दूसरा राष्ट्रपति चुनाव भी।राजेंद्र प्रसाद के उत्तराधिकारी के रूप में 13 मई, 1962 को सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने भारत के राष्ट्रपति का पदभार संभाला और 13 मई, 1967 तक इस पद पर रहे। उनके बाद के दो राष्ट्रपति । जाकिर हुसैन और फखरुद्दीन अली अहमद । अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके, क्योंकि उनकी मृत्यु हो गई, जिसके परिणामस्वरूप मध्यावधि चुनाव हुए , भारत के छठे राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी ने 25 जुलाई 1977 को शपथ ली।इसके बाद से भारत के सभी राष्ट्रपतियों ने अपना कार्यकाल पूरा किया। इस कारण 1977 के बाद से ही 24 जुलाई को राष्ट्रपति का कार्यकाल समाप्त होता आ रहा है, और 25 जुलाई को देश का नया राष्ट्रपति शपथ ग्रहण करता है। ज्ञानी जैल सिंह, आर वेंकटरमन, शंकर दयाल शर्मा, के आर नारायणन, एपीजे अब्दुल कलाम, प्रतिभा पाटिल, प्रणब मुखर्जी और राम नाथ कोविंद सहित सभी राष्ट्रपतियों ने एक ही तारीख यानी 25 जुलाई को को शपथ ली।

उत्तराखंड : सेब की खेती से गांव वाले कर रहे हैं शानदार कमाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिथौरागढ़ 18 नवंबर : पलायन को मात देनी है तो हमें स्वरोजगार को अपनाना होगा। देर से ही सही पहाड़ के लोग इस बात को समझने लगे हैं और प्रदेश में रहकर ही रोजगार के अवसर पैदा कर रहे हैं। पिथौरागढ़ जिले के पहले वाइब्रेंट विलेज गुंजी में भी सेब की खेती लोगों के लिए आय का बेहतर जरिया बन रही है। 3 साल पहले उद्यान विभाग ने यहां के ग्रामीणों को सेब के पौधे उपलब्ध कराये थे। अब यहां साढ़े दस हजार फीट की ऊंचाई पर उत्तम गुणवत्ता वाले सेब की खेती की जा रही है।

यहां एक दशक पहले भी सेब का खूब उत्पादन होता था, लेकिन बाजार में सस्ते हिमाचली सेब के आने के बाद लोगों ने सेब उत्पादन की तरफ ध्यान देना बंद कर दिया। बाद में गुंजी गांव सड़क से जुड़ा तो उद्यान विभाग ने यहां सेब उत्पादन शुरू करने की योजना बनाई।

इसके तहत ग्रामीणों को उम्दा क्वालिटी के डेलीसस सेब के पौधे उपलब्ध कराए गए और तीन साल बाद ये पेड़ सेब से लदे नजर आ रहे हैं। इस साल गांव में दो से ढाई कुंतल तक सेब उत्पादन की उम्मीद है। सेब पूरी तरह जैविक हैं, सड़क बन जाने के बाद इन्हें आसानी से बाजार पहुंचाया जा सकेगा। सीमा क्षेत्र में तैनात जवानों के लिये ताजे फलों की डिमांड वर्ष भर रहती है। ऐसे में गांव में होने वाला सेब सुरक्षा बलों में ही खप जाने की उम्मीद है। जिला उद्यान अधिकारी त्रिलोकी राय ने कहा कि गुंजी में सेब का उत्पादन शुरू हो गया है। धारचूला के साथ ही मुनस्यारी में भी इस तरह के प्रयास चल रहे हैं।

विकसित भारत संकल्प यात्रा' कार्यक्रम की समीक्षा की जिलाधिकारी ने

देहरादून। जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने ऋषिपर्णा सभागार में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए सम्बन्धित विभाग अपने-2 विभागों से सम्बन्धित सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचितों/पात्रों को लाभान्वित करें। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के अन्तर्गत आयोजित किये जा रहे कार्यक्रम में विभाग प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित करते हुए पात्रों को योजनाओं से लाभान्वित करें तथा यदि कोई लाभार्थी कार्यक्रम स्थल पर नहीं पंहुच पाए हैं उनकों अपने क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से लाभान्वित किया जाए कोई व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे इसका विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि ग्राम्य विकास एवं शहरी विकास विभाग, कृषि एवं पूर्ति एवं राजस्व, स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी है कि उनके विभाग में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्रों को आच्छादित किया जाए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि कार्यक्रम लगाये गए स्टॉल के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण के साथ ही सीकलसेल एनिमिया की जांच करें। उन्होंने प्रतिदिन की प्रगति वेबसाईट पर अपलोड करने के निर्देश दिए। साथ ही उप जिलाधिकारी विकासनगर एवं चकराता/कालसी को निर्देशित किया कि अपने क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करना करें तथा क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहे यह सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी झरना कमठान, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामजीशरण शर्मा, उप जिलाधिकारी सदर नन्दन कुमार आईएएस, नगर मजिस्टेट प्रत्युष सिंह, उप जिलाधिकारी डोईवाला अपर्णा ढौंडियाल, उप जिलाधिकारी चकराता हरिगिरी गोस्वामी, उप जिलाधिकारी विकासनगर विनोद कुमार, उप जिलाधिकारी युक्ता मिश्रा, मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रदीप रावत, सहायक निदेशक/जिला सूचना अधिकारी बी.सी नेगी, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी पी.सी त्रिपाटी, जिला पंचायतीराज अधिकारी विद्याधर सोमनाल, जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास जितेन्द्र कुमार, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी भास्कर कुलियाल, तहसीलदार डोईवाला सोहन सिंह रांगड़, ऋषिकेश चमन सिंह, सदर मौ शादाब सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मेंटल हेल्थ को मजबूती देने के लिए इन बातों का जरूर रखें ध्यान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 18 नवंबर : हमारे शरीर के सभी अंगो के साथ दिमाग का भी हेल्दी होना बहुत जरूरी है। यही कारण है कि आजकल मेंटल हेल्थ की बातें की जाती हैं पर प्रश्न यह है कि हम अपनी मेंटल हेल्थ के लिए क्या करते हैं। मेंटल हेल्थ को बनाए रखने के लिए आपका साथ अच्छा होना जरूरी है। जैसे कोरोना वायरस से बचने के लिए जरूरी है कि हम कोविड पॉजिटिव लोगों से दूर रहे। वैसे ही मेंटल हेल्थ के लिए भी जरूरी है कि आप स्वस्थ लोगों से ही जुड़े रखें। गौर गोपाल दास बताते हैं कि मेंटल हेल्थ को बनाए रखने के लिए फिजिकल रूप से फिट रहना भी बहुत जरूरी है। अच्छे से नींद लेना और रेगुलर एक्सरसाइज करने से हमारी मेंटल हेल्थ को मजबूती मिलती है।

डॉक्टर ने बताया कि हमारे जीवन में हर एक चीज बहुत महत्वपूर्ण है। जैसे अच्छी डिग्री, अच्छी नौकरी और बड़ा प्रमोशन लेकिन हेल्थ भी जरूरी है। हमें समझना होगा कि सेहत के साथ भी हम अपने जीवन में मनचाहा मुकाम हासिल कर सकते हैं। और डॉक्टर ये भी बताते हैं कि जैसे हम फिजिकल हेल्थ का चेकअप कराते हैं ठीक उसी तरह मेंटल हेल्थ चेकअप भी बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया कि आप घर पर बैठे-बैठे भी अपना चेकअप कर सकते हैं। अगर आपको लो महसूस होता है लेकिन आप एक समय के बाद ठीक हो जाते हैं मतलब आप ठीक हैं। अगर आप आत्मविश्वासी महसूस करते हैं मतलब आप ठीक हैं। आप हर बात पर तनाव और चिंता लेते हैं तो इसका मतलब है कि आप अंदर से बहुत परेशान हैं। आप कितना अकेलापन महसूस करते हैं और आपकी बातें भी आपकी मेंटल हेल्थ दिखाती हैं।

मेंटल हेल्थ को बनाए रखने के लिए आपका साथ अच्छा होना जरूरी है। जैसे कोरोना वायरस से बचने के लिए जरूरी है कि हम कोविड पॉजिटिव लोगों से दूर रहे। वैसे ही मेंटल हेल्थ के लिए भी जरूरी है कि आप स्वस्थ लोगों से ही जुड़ाव रखें। गौर गौपल दास बताते हैं कि मेंटल हेल्थ को बनाए रखने के लिए फिजिकल रूप से फिट रहना भी बहुत जरूरी है। अच्छे से नींद लेना और रेगुलर एक्सरसाइज करने से हमारी मेंटल हेल्थ को मजबूती मिलती है।

फूड भी एक बहुत अहम पहलू है जो आपकी मेंटल हेल्थ को बनाए रखता है। अच्छा खाना खाने से हमें उम्दा पोषण और फिर अच्छे विचार मिलते हैं। इन सभी बातों के साथ-साथ मेंटल हेल्थ को मजबूती देने के लिए यह भी मायने रखता है कि हम क्या देख रहे हैं और क्या सुन रहे हैं। जरूरी है कि आप फोन और लैपटॉप पर जो भी देख रहे हों वो अच्छा हो, पॉजिटिव हो। शारीरिक के साथ-साथ मानसिक रूप से भी मजबूत होना भी बहुत जरूरी है और आप इन टिप्स की मदद से मानसिक रूप से भी फिट रह सकते हैं। आपको लेख अच्छा लगा हो तो इसे शेयर जरूर करें व इसी तरह के अन्य लेख पढ़ने के लिए जुड़ी रहें आपकी अपनी वेबसाइट हरजिन्दगी के साथ।

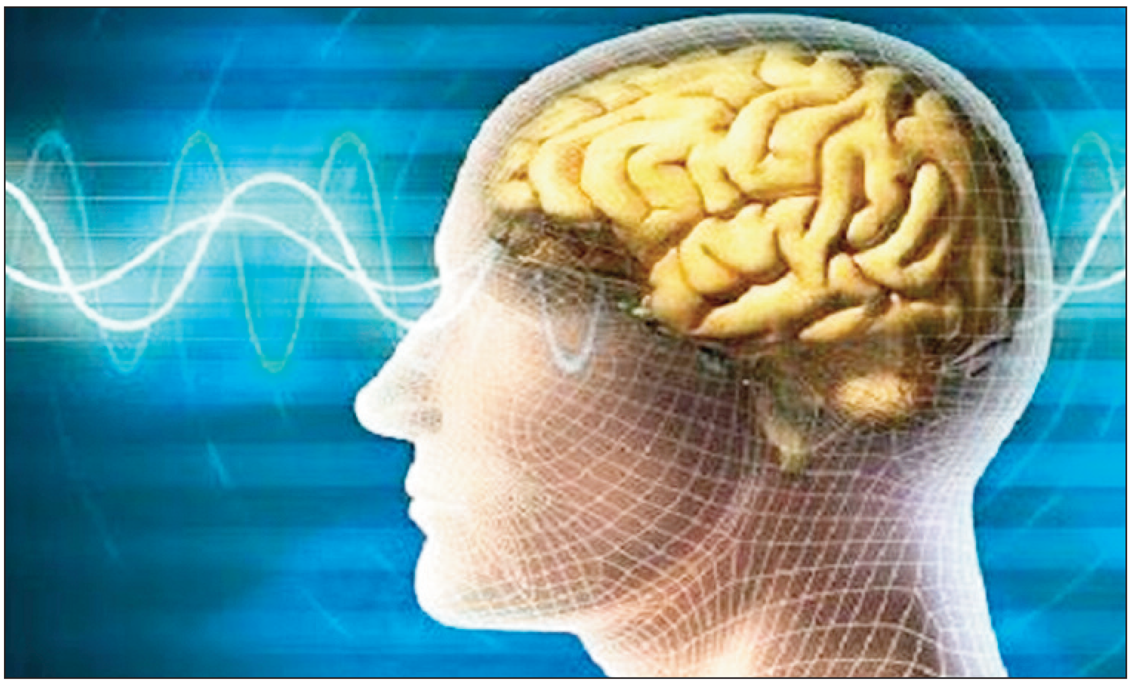

अगर आप भी व्हिस्की के शौकीन हैं, तो जान लें जरूरी बात

न्यूज वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 18 नवंबर : हर साल दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय व्हिस्की दिवस मनाया जाता है। व्हिस्की एक पॉपुलर ड्रिंक है, जिसका उपयोग लोग सदियों से कई स्वास्थ्य समस्याओं को ठीक करने या फिर एंजॉय करने के लिए करते हैं।यह दिन दुनिया में व्हिस्की के योगदान का सम्मान करने और विश्व स्तर पर व्हिस्की की सराहना को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया था। स्कूल में दी गई 8 क्लास के बच्चों को विदाई पार्टी व्हिस्की स्वास्थ्य को लाभ पहुंचा सकती है, लेकिन इसका सेवन सीमित रखने पर। जरूरत से ज्यादा व्हिस्की आपकी सेहत को गंभीर नुकसान पहुंचाने का काम करती है। तो आइए जानें व्हिस्की के फायदे और नुकसान क्या हैं?व्हिस्की के साइड इफेक्ट्स लिवर को पहुंच सकता है नुकसानः जरूरत से ज्यादा शराब का सेवन लिवर को नुकसान पहुंचा सकता है। इससे लिवर फेलियर भी हो सकता है। व्हिस्की पीने से लत भी लग जाती हैः शराब की लत लगना एक गंभीर समस्या है, जो जरूरत से ज्यादा व्हिस्की के सेवन से होती है, जिससे आप शारीरिक और मानसिक तौर पर दूसरों पर निर्भर हो जाते हैं। शराब का ज्यादा सेवन कई तरह के कैंसर का खतरा बढ़ा देता है, जिसमें लिवर, गले और स्तन का कैंसर सबसे ज्यादा देखा जाता है हालांकि, व्हिस्की का अगर सीमित सेवन किया जाए, तो इससे आपकी सेहत को फायदा भी पहुंच सकता है। विस्की में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करते हैं और सेलुलर नुकसान से बचाते हैं।

रिलायंस ज्वैल्स डकैती : बदमाशों का चित्र जारी, दो लाख का इनाम घोषित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। राज्य स्थापना के दिन दून के रिलायंस ज्वैलरी शोरूम में हुई 14 करोड़ की डकैती में पुलिस ने दो बदमाशों को चिन्हित कर दो दो लाख का इनाम घोषित किया है। दोनों बदमाश बिहार के एक ही गांव के हैं। दून पुलिस ने डकैती में शामिल दोनों बदमाशों का फ़ोटो भी जारी किया है। पुलिस ने जल्द ही बदमाशों को गिरफ्तार करने की बात कही है।

एसएसपी अजय सिंह ने शुक्रकवार को समाचार एजेंसी आरएनएस को जानकारी के मुताबिक दो अभियुक्तों प्रिंस कुमार (पुत्र शिवनाथ सिंह, निवासी ग्राम पानापुर दिलावरपुर, थाना बिदुपुर जिला वैशाली बिहार) व विक्रम कुशवाहा (पुत्र राम प्रवेश सिंह निवासी ग्राम पानापुर , दिलावरपुर जिला वैशाली, बिहार) को चिन्हित किया गया है। दोनों वांछित एक ही गांव के है। प्रत्येक अभियुक्त पर 2 -2 लाख का इनाम घोषित किया गया है ।

गौरतलब है कि नौ नवंबर को राष्ट्रपति मुर्मु देहरादून में राज्य स्थापना कार्यक्रम में मौजूद थी। कड़ी सुरक्षा के बीच बदमाशों ने सुबह 10 ।30 बजे व्यस्तम राजपुर रोड स्थित रिलायंस ज्वैलरी शो रूम में धावा बोलकर करोड़ों के हीरे-सोना उड़ा लिया था। इस डकैती के बाद पुलिस ने चार टीम विभिन्न राज्यों में भेजी है। स्वंय एसएसपी दून अजय सिंह भी बदमाशों की तलाश में प्रदेश से बाहर हैं। डकैती के बाद बदमाश अपनी दो बाइक व एक कार सहसपुर इलाके में छोड़ गए थे। पुलिस ने बिहार के सुबोध गैंग पर शक जताया है। बुधवार को पुलिस ने दो संदिग्ध बदमाशों को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सुराग मिलने का दावा किया था। दूसरी ओर,कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों ने सरेआम पड़ी डकैती को मुद्दा बनाते हुए कानून व्यवस्था पर गहरी चोट की है। विपक्षी दल कांग्रेस ने कहा कि राष्ट्रपति के दौरे के दिन हुई डकैती ने सुरक्षा व्यवस्था की कलई खोल दी है। उन?होंने बताया कि रिलायंस ज्वैलरी शोरूम डकैती में चिन्हित दोनों अभियुक्तों प्रिंस कुमार व विक्रम कुशवाहा का सेक्टर 24 रोहिणी दिल्ली में एक फ्लैट होने के संबंध में पुलिस टीम को जानकारी मिली। पुलिस टीम ने अभियुक्तों के रोहिणी स्थित फ्लैट पर दबिश दी । दबिश के दौरान पुलिस को फ्लैट की तलाशी में महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले है।

संक्षिप्त खबरें

बार की कैरम प्रतियोगिता में शंभू, कमल, अनिल ने जीते मुकाबले

देहरादून। बार एसोसिएशन देहरादून की कैरम प्रतियोगिता शुक्रवार को शुरू हो गई। एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल कुमार ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। पहले दिन एकल और युगल वर्ग के कई मुकाबले खेले गए। बार एसोसिएशन सचिव राजबीर सिंह बिष्ट ने बताया कि एकल वर्ग में कमल यादव ने विनोद सागर को 25-4, शंभू प्रसाद ममगाई ने अनिल बिष्ट को 21-7, प्रेमनाथ यादव ने विनोद तोमर को 24-0, सुनील जोशी ने गंभीर चौहान को 21-8, देवराज उनियाल ने कुंवर संतोष को 19-16, अनिल रावत ने भानू प्रताप सिसौदिया को 25-0, उपेंद्र मनियारी ने पवन शर्मा को 25-0 के अंतर से पराजित किया। युगल वर्ग में राकेश रावत व अनिल बिष्ट की जोड़ी की ने आशीष वत्राल व लक्ष्मण सिंह रावत की जोड़ी को 25-0 के अंतर से हराया। लक्की युगल वर्ग में ललित मोहन शर्मा व सबीह आलम की जोड़ी ने अरविंद शर्मा व अब्दुल रउफ की जोड़ी को 25-0, राजीव कुमार रोहिला व आशीष वत्राल की जोड़ी ने कुंवर संतोष व हरेंद्र कठैत की जोड़ी को 16-11 के अंतर से हराया। उद्घाटन के मौके पर बार काउंसिल ऑफ उत्तराखंड के सदस्य चंद्रशेखर तिवारी, बार एसोसिएशन देहरादून के पूर्व अध्यक्ष मनमोहन कंडवाल, वरिष्ठ अधिवक्ता जेडी जैन, प्रेम चंद शर्मा, मुकेश महिंद्रा, रघुवीर सिंह कठैत, एसएस मेहरा, हरेंद्र कठैत, सुरेश जोशी, प्रदीप चौहान, राजेंद्र कुमार शामिल रहे।

चौथी गढ़वाल राइफल्स के पूर्व सैनिकों ने नूरानांग दिवस धूमधाम से मनाया

देहरादून। गढ़वाल राइफल की चौथी बटालियन के पूर्व सैनिकों ने नूरानांग बैटल आनर डे धूमधाम से मनाया। इस दौरान युद्ध की शौर्य गाथा को याद किया गया। 1962 से चीन हुए युद्ध बटालियन को यह उपाधि मिली। गढ़ी कैंट स्थित दून सैनिक इंस्टीट्यूट में बटालियन के कमांडिंग अफसर रहे मेजर जनरल एमके यादव (रिटायर) ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम शुरू किया। सबसे पहले नूरानांग के हीरो महावीर चक्र धारक जसवंत सिंह रावत सहित अन्य बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि पलटन ने अपने शौर्य और वीरता के दम पर 1962 के भारत-चीन युद्ध की तस्वीर बदल दी थी। इस युद्ध में चौथी गढ़वाल के तीन अफसर, चार जेसीओ, 147 सैनिक ने सर्वोच्च बलिदान देकर देशभक्ति में स्वर्णिम अध्याय जोड़ा। नूरानांग की लड़ाई में महावीर चक्र विजेता राइफलमैन जसवंत सिंह और चौथी गढ़वाल वीरों ने चीन के इरादों को धूल में मिला दिया था। इस एतिहासिक युद्ध में चौथी गढ़वाल को बैटल आनर नूरानांग की मानद उपाधि मिली। तत्कालीन ले. जनरल ब्रिज मोहन कौल ने अपनी किताब अनटोल्ड हिस्ट्री में लिखा है कि अगर चौथी गढ़वाल जैसी बहादुर पलटन और होती तो अरुणाचल व भारत का नक्शा ही कुछ और होता। आज भी तवांग सेक्टर में जो भी सैनिक, अर्धसैनिक जाते हैं वे अत्याधिक श्रद्धा के साथ जसवंतगढ़ (नूरानांग) में शीश झुकाते हैं। इस युद्ध के शामिल रहे कैप्टन जेके कांती (सेनि) ने युद्ध के कई किस्से साझा किए। समारोह में ब्रिगेडियर आईपी सिंह (सेनि), ब्रिगेडियर आरएस रावत (सेनि), ब्रिगेडियर जगमोहन सिंह (सेनि), कर्नल वीएस नेगी (सेनि), आनरेरी कैप्टन जयमल सिंह (सेनि), आनरेरी कैप्टन दलबीर सिंह (सेनि), आनरेरी कैप्टन नंदन सिंह रावत (सेनि), हवलदार वचन सिंह (सेनि) आदि उपस्थित रहे।

विकास कार्यों से गांव भी शहर की तरह चमकें: प्रेमचंद अग्रवाल

ऋषिकेश। कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार सबका साथ सबका विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। विकास कार्यों की बदौलत ग्रामीण क्षेत्रों की सूरत भी शहर की तरह दिखने लगी है। शुक्रवार को मनसा देवी में कार्यक्रम में पहुंचे कैबिनेट मंत्री ने दावा किया कि उनके विधायक रहते के साढ़े सोलह साल में ग्रामीण क्षेत्रों का चहुंमुखी विकास हुआ है। जबकि पहले यहां बिजली कनेक्शन तो थे, मगर लाइट नहीं आती थी। इसी तरह मुख्य मार्ग के अलावा आंतरिक सडक़ें नहीं थीं। उनके जनप्रतिनिधि बनने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों की सूरत बदली है। सीएम धामी ने राज्य को देश के अग्रणीय राज्य में शामिल करने संकल्प लिया है। उन्होंने मनसा देवी क्षेत्र में सडक़ निर्माण के लिए 5 लाख रुपये विधायक निधि से देने की घोषणा की।

क्यों खतरनाक है पैंक्रियाटिक कैंसर , जानिए लक्षण और इलाज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 नवंबर , हर साल नवंबर के महीने को पैंक्रियाटिक कैंसर अवेयरनेस मंथ के तौर पर मनाया जाता है। इसकी शुरुआत साल 2000 में की गई थी। नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर इस विषय पर जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। तो वहीं नवंबर महीने का तीसरा गुरुवार पैंक्रियाटिक कैंसर दिवस के तौर पर जाना जाता है। इसका उद्देश्य पैंक्रियाटिक कैंसर के शुरुआती लक्षणों के साथ-साथ निवारण के उपायों को जन-जन पहुंचाना है, जिससे कि विश्व भर में कैंसर से पीड़ित रोगियों की संख्या को नियंत्रण में लाया जा सके। साल 2000 से जब पैंक्रियाटिक कैंसर अवेयरनेस मंथ की शुरुआत हुई तो उसी साल से वायलेट कलर के रिबन के साथ मेडिकल कैलेंडर पर पैंक्रियाटिक कैंसर को दर्शाया जाने लगा।

इस वर्ष की थीम 'हैलो पैनक्रियाज़' है - इस साल इस थीम को व्यक्तियों को शरीर के रोजमर्रा के कार्यों में पैनक्रिया द्वारा निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका के साथ अधिक संपर्क में रहने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

क्या है पैंक्रियिटिक कैंसर

पैंक्रियाटिक यानी अग्नाशय का कैंसर वह कैंसर है जो पेट के निचले हिस्से के पीछे स्थित अंग से शुरू होता है। यह तब होता है जब अग्नाशय की कोशिकाएं अपने डीएनए में परिवर्तन करने लगती हैं। इन कोशिकाओं में होने वाली वृद्धि ट्यूमर बनाने का काम करती हैं जो आगे चलकर कैंसर का रूप ले लेता है। यह एक ऐसा कैंसर है, जिसका पता चलने के बाद भी जीने की दर बहुत कम है। आइए जानते हैं कि इस कैंसर के प्रारंभिक लक्षण क्या होते हैं-

इन दो लक्षणों पर दें ध्यान

1. वजन कम होना -अगर पाचन एंजाइम काम करना बंद करने लगेगा तो सबसे पहले भूख लगना कम हो जाएगा और फिर वजन कम होने लग जाता है।

2. थकान होना - बेवजह ही थकान लगता रहता है। आराम करने के बाद भी थकान कम नहीं होता है।

3. पैर और तलवों में सूजन - अव्यवस्थित थक्के की वजह से ऐसा हो सकता है। ये शुरुआती लक्षणों में से एक है। फेफड़े की तरफ क्लॉट के जाने से परेशानी बढ़ सकती है।

4. पेट का बड़ा होना - इसके शुरुआती लक्षणों में पेट फुला हुआ और मुलायम लगता है।

5. मूत्र का रंग बदल जाता है - मूत्र का रंग मलिन हो जाता है। क्योंकि पेनक्रियाज लिवर सामान्य पित्त की नली को खोल देता है, जिससे पित्त स्त्रावित नहीं हो पाता और बिलीरुबिन मलिन मूत्र के रूप में बाहर आता है।

6. दर्द - पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द हो सकता है।

7. डिप्रेशन - पैंक्रियाटिक कैंसर के मरीज को डिप्रेशन की समस्या भी हो सकती है।

इन चीजों से बनाएं दूरी

- पैंक्रियाटिक कैंसर से बचे रहने के लिए ना तो स्मोकिंग करें और ना ही स्मोकिंग एरिया में रहें।

- नियमित तौर पर योग और एक्सरसाइज करें।

- हरी सब्जी और फलों का नियमित सेवन करें।

- रेड मीट खाने से परहेज करें।

- पैक्ड फूड प्रोडक्ट का सेवन करने से

।- वजन को नियंत्रण में रखें।इस तरह छोटी -छोटी बातों को ध्यान में रखकर आप पैंक्रियाटिक कैंसर से खुद को बचा कर रख सकते हैं और अगर इसके शुरुआती कोई लक्षण दिखाई दे तो आप वक्त रहते इलाज करवा सकते हैं।

2027 से सबको मिलेगा ट्रेन का कन्फर्म टिकट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 18 नवंबर : फेस्टिवल सीजन में ट्रेनों में जबरदस्त भीड़ होती है. खासकर दिवाली और छठ पर्व के मौके पर लोग अपने घरों को जाते हैं. ऐसे में ट्रेन में कंफर्म टिकट मिलना करीब-करीब नामुमकिन हो जाता है. इस वजह से कई लोग काउंटर से वेटिंग टिकट लेकर ट्रेन में खड़े होकर यात्रा करने को मजबूर होते हैं. भारतीय रेलवे अब इस समस्या को खत्म करने जा रहा है. रेलवे के सूत्रों के मुताबिक, अब से चार साल के अंदर यानी 2027 तक सभी यात्रियों को ट्रेन का कंफर्म टिकट मिलेगा. सूत्रों के मुताबिक, भारतीय रेलवे के बेड़े में 3 हजार नई ट्रेनें जोड़ी जाएंगी।

रेल मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, अभी रोजाना 10748 ट्रेनें चल रही हैं. इसे 13000 ट्रेन तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है. रेलवे हर साल ट्रैक को बढ़ा रही है. अभी 4 से 5 हजार किलोमीटर ट्रैक का नया जाल बनाया गया है. अगले 3- 4 साल में 3000 और नई ट्रेनों को ट्रैक पर उतारने की योजना है।

रेलवे से मिली जानकारी के मुताबिक, अभी सालाना 800 करोड़ मुसाफिर ट्रेन में यात्रा करते हैं. इस संख्या को भी 1000 करोड़ तक बढ़ाने का लक्ष्य है. सूत्रों के मुताबिक, ट्रैवल टाइम कम करने को लेकर भी काम चल रहा है. इसके साथ ही ट्रैक बढ़ाना, स्पीड बढ़ाना और एक्सीलरेशन और डेसिलरेशन को बढ़ाने पर भी काम किया जाएगा, ताकि ट्रेन रुकने और रफ्तार पकड़ने में पहले के मुकाबले कम वक्त ले। रेलवे की एक स्टडी के मुताबिक, दिल्ली से कोलकाता जाने में 2 घंटे 20 मिनट का टाइम बच सकता है. बशर्ते अगर एक्सीलरेशन और डेसिलरेशन को बढ़ा दिया जाए. पुश-पुल टेकनीक से एक्सीलरेशन और डेसिलरेशन बढ़ाने से अभी के ट्रेनों से 2 गुना ज़्यादा मदद मिलेगी। रेलवे से जुड़े सूत्रों ने बताया कि फिलहाल करीब 225 ट्रेन सालाना LHB कोच वाले बनाए जा रहे हैं, जिसमें पुश पुल टेकनीक का इस्तेमाल हो रहा है. वहीं, 'वंदे भारत' ट्रेनों में एक्सीलरेशन और डेसिलरेशन की क्षमता अभी चल रही ट्रेनों से 4 गुना ज्यादा है।

यहां बनेगी उत्तराखंड की पहली साइबर सिटी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रपुर 18 नवंबर : उत्तराखंड में जल्द ही पहली साइबर सिटी अस्तित्व में आ सकती है। प्रदेश सरकार की कोशिशें रंग लाई तो ऊधमसिंह नगर जिले के रुद्रपुर के आसपास साइबर सिटी बनाई जाएगी। योजना को अमली जामा पहनाने के लिए राज्य सरकार आईटी क्षेत्र की नामी कंपनियों से बात कर रही है। टाटा और इंफोसिस सरीखी कंपनियों ने निवेश के लिए हामी भी भरी है। कंपनियों के सुझाव पर सरकार आईटी व सेवा क्षेत्र की नीतियों में भी बदलाव कर सकती है।

सूत्रों के अनुसार आईटी सेक्टर में टाटा 5000 करोड़ रुपये का निवेश कर सकता है। परिस्थितियों के अनुसार निवेश की राशि बढ़ाई जा सकती है। आईटी सेक्टर की टॉप कंपनी इंफोसिस से भी सरकार की बात हुई है। इंफोसिस भी उत्तराखंड में बड़ा निवेश कर सकती है। राज्य सरकार आईटी सेक्टर की दूसरी कंपनियों से भी बातचीत कर रही है। सूत्रों के अनुसार साइबर सिटी के लिए रुद्रपुर में पराग फार्म के पास उपलब्ध भूमि पर आईटी

साभार -गूगल

कंपनियों को भूमि उपलब्ध कराई जा सकती है।

बता दें कि आठ और नौ दिसंबर को प्रस्तावित वैश्विक निवेशक सम्मेलन की तैयारी कर रही प्रदेश सरकार ने रोड शो के दौरान कई आईटी कंपनियों को निवेश के लिए उत्तराखंड में आमंत्रित किया है। राज्य सरकार का आईटी सेक्टर में 20-30 हजार करोड़ रुपये का निवेश जुटाने का लक्ष्य है। सरकार की योजना को लेकर आईटी कंपनियां का रिस्पांस सकारात्मक रहा है। अगर राज्य सरकार अपने लक्ष्य के अनुसार निवेश जुटा लेती है तो साइबर सिटी बनाए जाने की राह आसान हो जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

समूह ग की परीक्षा के दृष्टिगत परीक्षा केंद्रों पर निषेधाज्ञाएं लागू

अल्मोड़ा। उप जिला मजिस्ट्रेट सदर जयवर्धन शर्मा ने बताया कि रविवार 19 नवंबर को उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग, हरिद्वार द्वारा आयोजित सहकारिता पर्यवेक्षक एवं पर्यावरण पर्यवेक्षक परीक्षा के सफलतापूर्वक संचालन में कतिपय असामाजिक तत्वों द्वारा परगना अल्मोड़ा अन्तर्गत पडने वाले परीक्षा केन्द्रों में शान्ति एवं कानून व्यवस्था भंग करने की सम्भावना है। उन्होंने बताया कि परगना अल्मोड़ा अन्तर्गत पडने वाले परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा के सम्पादन में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने हेतु दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा-144 के प्राविधानों के तहत निषेधाज्ञाएं लागू हैं। उन्होंने बताया कि कोई भी व्यक्ति परगना अल्मोड़ा अन्तर्गत पडने वाले परीक्ष केन्द्रों के 200 मी0 की परिधि के अन्दर अस्त्र-शस्त्र, अग्नेयास्त्र, धारदार हथियार, लाठी डन्डा लेकर नहीं चलेगा। किन्तु यह आदेश सुरक्षा बलों, शान्ति व्यवस्था में लगे कार्मिकों, अद्धसैनिक बलों, पी0एस0सी0 पर लागू नहीं होगा। परीक्षा केन्द्रों के 200 मी0 की परिधि के अन्दर किसी भी बाहरी व्यक्ति की प्रविष्टि निषिद्ध होगी, किन्तु यह आदेश परीक्षार्थी एवं शान्ति व्यवस्था में तैनात पुलिस बलों आदि व परीक्षा केन्द्र पर डयूटी में तैनात प्राधिकृत व्यक्तियों एवं राहगीरों पर प्रतिबन्धित नहीं है। परीक्षा केन्द्र के आस-पास परीक्षा को प्रभावित करने के उद्देश्य से 05 या इससे अधिक व्यक्ति एक झुण्ड बनाकर एक स्थान पर एकत्रित नहीं होगें। धार्मिक कार्यक्रमों, शादी विवाह तथा शव यात्रा इस आदेश से मुक्त रहेंगी। यह आदेश नियत परीक्षा तिथि 19 नवंबर, 2023 को प्रातः 11:00 बजे से अपरान्ह 01:00 बजे तक लागू रहेगा बशर्ते कि इससे पूर्व इसे निरस्त न कर दिया जाय।

बैठक स्थगित कर कांग्रेसियों ने मृतकों को दी श्रद्धांजलि

हल्द्वानी । ओखलकांडा में वाहन दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण जिला कांग्रेस कमेटी नैनीताल की शुक्रवार को होने वाली बैठक स्थगित कर दी गई। हल्द्वानी स्थित स्वराज आश्रम में पहुंचे सभी पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शोक सभा कर मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल की अध्यक्षता में हुई शोक सभा में पीसीसी सदस्य सतीश नैनवाल, अनुशासन समिति अध्यक्ष उमेश चंद्र कबड्वाल, पूर्व कैबिनेट मंत्री हरीश चंद्र दुर्गापाल, हरीश सिंह मेहता, गणेश उपाध्याय, हरेंद्र बोरा, किसान कांग्रेस अध्यक्ष हेम नैनवाल, गोविंद बगड्वाल, ब्लॉक अध्यक्ष कैलाश दुम्का, सरदार गुरदीप सिंह, हीरा बल्लभ, रविशंकर तिवारी, दया किशन कबड्वाल, जसविंदर सिंह, नीरज तिवारी, गुरदयाल सिंह, हेमवती नंदन दुर्गापाल, संदीप सिंह भैसोड़ा, भुवन सिंह दरम्वाल, मनोज शर्मा, मोहम्मद अकरम, ताहिर हुसैन, मनोज श्रीवास्तव, करुणा शंकर कांडपाल, मोहम्मद हारून, एस लाल, रमेश चंद्र सनवाल, नरेश अग्रवाल, जेके शर्मा, इकबाल हुसैन, हेमंत बगड्वाल, अशोक जोशी, मनोज शर्मा, संदीप जोशी, सुरेश जोशी, किशोरी लाल, शेखर दानी, ऊषा कन्नौजिया, भोला भट्ट, गोपाल सिंह बिष्ट, आनंद दरम्वाल, दीपक रूवाली, राम सिंह नगरकोटी, प्रकाश चंद्र सती, महेश कांडपाल, देवीदत्त पांडे, प्रमोद कलौनी, आंनद बिष्ट, नवीन चंद्र दुर्गापाल, विरेंद्र सिंह बर्गली आदि मौजूद रहे।

ऋण वसूली को अभियान चलाएं बैंक अधिकारी: धन सिंह

देहरादून। बैंकों का एनपीए कम करने को सहकारिता मंत्री धन सिंह रावत ने ऋण वसूली अभियान तेज किए जाने के निर्देश दिए। कहा कि बैंकों का एनपीए पूरी तरह न्यूनतम स्तर पर लाया जाए। ऋण वसूली को अभियान चलाया जाए। सहकारिता मंत्री ने शुक्रवार को वर्चुअल माध्यम से सभी राज्य सहकारी बैंक के एमडी, जिलों के सचिव, महाप्रबंधक को निर्देश दिए। एनपीए वसूली का कड़ाई से पालन किए जाने के निर्देश दिए। कहा कि जिन्होंने एनपीए ऋण जमा नहीं किया है, उनके खिलाफ वसूली को अभियान चलाया जाए। सचिव को निर्देश दिए कि जो बहुउद्देशीय सहकारी समितियां चुनाव के लिए पात्र नहीं हैं, उनकी सूची तत्काल बनाई जाए। कारण लिखा जाए कि ये समितियां क्यों पात्र नहीं हैं। नए सहकारी सदस्य बनाने में तेजी लाने को कहा। 30 नवंबर तक दो लाख नए सदस्य बनाने के निर्देश दिए। निर्देश दिए कि सभी 670 सहकारी समितियों को चुनाव लायक बनाया जाए। सचिव सहकारिता बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने रजिस्ट्रार कॉपरेटिव और एमडी राज्य सहकारी बैंक को एनपीए वसूली को बकायेदारों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कहा कि जिन समितियों ने राज्य में बेहतर काम किया है, उनकी कार्यशाला राजभवन में आयोजित होगी। कार्यशाला में सहकारिता विभाग की भविष्य की योजनाओं का खाका भी रखा जाएगा। राज्य सहकारी बैंक के प्रबंध निदेशक मान सिंह सैनी ने बताया कि वसूली को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। जल्द ऋण जमा न करने पर कुर्की की कार्यवाही की जाएगी। समीक्षा बैठक में निबंधक सहकारिता आलोक कुमार पाण्डेय, एमडी मान सिंह सैनी, राज्य सहकारी बैंक जीएम दीपक कुमार, जीएम टिहरी संजय रावत, जीएम हरिद्वार विश्व विजय सिंह, जीएम देहरादून सीके कमल आदि मौजूद रहे।

मिस्टर एंड मिस आईकॉनिक फ्यूचर कॉन्टेस्ट के ऑडिशन 19 नवंबर को देहरादून में

■ यह फ्री ऑडिशन है , 16 दिसंबर को होगा ग्रैंड फिनाले

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। बॉलीवुड एक्टिंग स्कूल ऑफ़ आर्ट्स की ओर से एक मॉडलिंग एवं डांस कॉन्टेस्ट का आयोजन किया जा रहा है जिसके ऑडिशन 19 नवंबर को होना तय किया गया है।जानकारी देते हुए आयोजक गुरचरण लाल सडाना एवं जुल्फिकार टाइगर ने बताया कि बेस्ट पर्सनैलिटी अचीवर अवार्ड एवं मिस्टर एंड मिस आईकॉनिक फ्यूचर कॉन्टैक्ट सीजन 2 का आयोजन बॉलीवुड एक्टिंग स्कूल ऑफ़ आर्ट्स की ओर से किया जा रहा है, इस दौरान एक डांस कॉन्टैक्ट भी कराया जाएगा। इसके लिए ऑडिशन आयोजित किए गए हैं ऑडिशन 19 नवंबर को बॉलीवुड एक्टिंग स्कूल आफ आर्ट्स चूना भट्टा अधोईवाला रायपुर रोड देहरादून में होंगे।ऑडिशन फ्री है,जिसका ग्रैंड फिनाले 16 दिसंबर को होना निश्चित है । उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि ग्रैंड फिनाले के लिए आशिकी फिल्म से राहुल रॉय जी का आना भी निश्चित किया गया है।

गुरचरण लाल सडाना एवं जुल्फिकार टाइगर ने कहा कि उत्तराखंड में टैलेंट की कमी नहीं है लेकिन यहां पर युवाओं को सही प्लेटफॉर्म नहीं मिलता जिस वजह से वह गुमराह होकर अपना भविष्य खतरे में डाल रहे हैं । ऐसे में उनको एक सही प्लेटफॉर्म देना बॉलीवुड एक्टिंग स्कूल ऑफ आर्ट्स ने अपना उद्देश्य बना लिया है। यहां पर न सिर्फ उनको एक सही प्लेटफॉर्म दिया जाएगा वही उनको बॉलीवुड कि फिल्मो & शॉर्ट फिल्म डाक्यूमेंट्री फिल्म आदि में चांस भी दिलाया जाएगा। इस तरह के उनके कई प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं जिसमें वे लोकल टैलेंट को प्रमोट करने का काम कर रहे हैं।

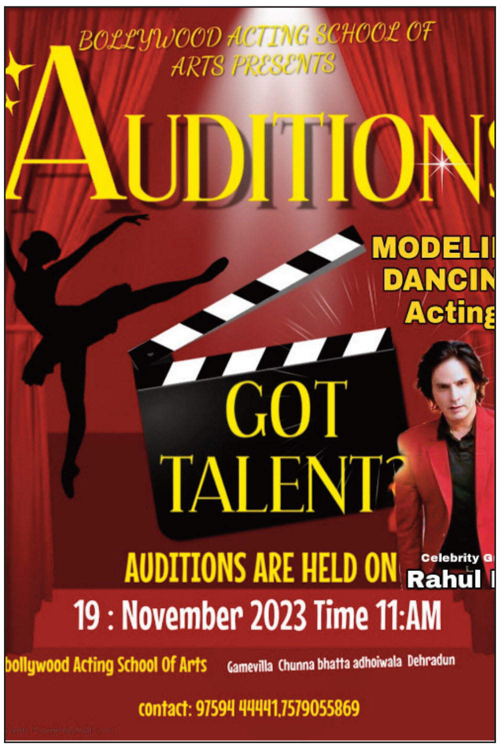

संपादकीय

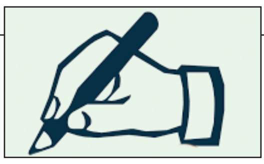

सुधीर शर्मा की एक्यूरेसी

सत्ता के दिन और महीने यूं ही गुजर जाएंगे, याद तब आएगी जब सरोकार डूब जाएंगे। कांग्रेस सरकार लगभग अपने एक साल पूरा होने की कोशिश में न जाने कितने किले बना चुकी है और यह यथार्थ भी है कि आगामी लोकसभा चुनाव सत्ता के दामन से गुजरेंगे। बहरहाल नरवाणा में प्री.वल्ड एक्यूरेसी प्रतियोगिता में पैराग्लाइडिंग उड़ान भर रही है, तो सियासत के पंख भी उड़ रहे हैं क्योंकि जिक्र उस विधायक का होने लगा जो कभी पहले वीरभद्र सरकार का अहम किरदार और सशक्त मंत्री रहा है। धर्मशाला से पहले बैजनाथ के विधायक रहे सुधीर शर्मा अपने विजन की बदौलत जाने गए हैं। आज बीड़-बिलिंग पैराग्लाइडिंग की ग्लोबल पहचान है तो यह इस विधायक की दूरदृष्टि का परिणाम है। पर्यटन आर्थिकी का यह प्रयोग अब बीड़-बिलिंग से उतर कर नरवाणा का स्पर्श कर रहा है, तो इसे क्यों न सुधीर शर्मा की विजन एक्यूरेसी माना जाए। कुछ माह की मेहनत ने नरवाणा को पैराग्लाइडिंग की जन्नत बना दिया, तो यह खोज हर विधानसभा क्षेत्र के विविध पहलुओं से तसदीक हो सकती है। दिव्य हिमाचल पिछले दो दशकों से हिमाचल को पर्यटन राज्य के तौर पर मुकम्मल करने के लिए हर विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक टूरिस्ट विलेज के विकास की राय दे रहा है। ये पर्यटक गांव विभिन्न विभागीय गतिविधियों के दायित्व में कहीं वनसंपदा के साथ ईको टूरिज्म, कहीं मंदिर-गुरुद्वारे के साथ धार्मिक पर्यटन, कहीं ट्रैकिंग या वाटर स्पोट्र्स के साथ साहसिक पर्यटन, कहीं खेतीबाड़ी-बागबानी के साथ एग्रो टूरिज्म, कहीं कला-संस्कृति के साथ कला पर्यटन, कहीं हाई-वे टूरिज्म तो कहीं हाट बाजार की शक्ल में 68 पर्यटक गांव विकसित करके ग्रामीण आर्थिकी का सहारा बन सकते हैं। हमारी खड्डें अगर जलापूर्ति-सिंचाई के साथ-साथ बाढ़ नियंत्रण तथा लघु बांध परियोजनाओं के साथ तटीकरण का स्थायी ढांचा विकसित करें, तो यही पानी पर्यटन को अमृत बना देगा। नौकाविहार से कैनोइंग तक के मनोरंजन के साथ क्षेत्र को पर्यटक गांव बना सकता है। बहरहाल यहां यही जिक्र सुधीर शर्मा के सरोकारों से जुड़ता है। होती होगी सियासत, वरना इस विधायक की वरिष्ठता प्रदेश मंत्रिमंडल में नजर आती। हो सकता है सुधीर आगे भी विधायक ही बने रहें, लेकिन बतौर विधायक उन्हें जनता के ताज को अपने प्रदर्शन का सिंहासन सौंपना होगा। राजनीतिक नेतृत्व से हट कर भी लोग सामाजिक नेतृत्व में अपने इरादों को परवान चढ़ाते रहे हैं। इस विधायक की खूबी विकासात्मक नजरिए के कारण अगर आज नरवाणा को चमका रही है, तो कभी सुधीर ने चामुंडा-मकलोडगंज और एयरपोर्ट के नेटवर्क में स्काई बस का खाका बुना था और रज्जु मार्ग से मकलोडगंज को जोड़ा था। आश्चर्य यह कि सात साल पहले बन गए प्रदेश के पहले ट्यूलिप गार्डन में पिछली सरकार ने ऐसे कांटे बोए कि आज भी वहां भुतहा माहौल है। नरघोटा में सेटेलाइट टाउन की निशानदेही राजनीतिक कारणों से उजड़ गई और जदरांगल में केंद्रीय विश्वविद्यालय की नींव नीलाम होने लगी है। पिछले कुछ महीने पहले आई तमाम अनापत्तियों और स्वीकृतियों के बावजूद सरकार अगर तीस करोड़ जमा कराने में भी अक्षम है, तो नरवाणा के पंछी जदरांगल तक के मौसम की खबर जान सकते हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

सहकारिता पर्यवेक्षक एवं पर्यावरण पर्यवेक्षक परीक्षा की तैयारियों को लेकर हुई बैठक

अल्मोड़ा। रविवार को आयोजित होने वाली उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की सहकारिता पर्यवेक्षक एवं पर्यावरण पर्यवेक्षक (समूह ग) परीक्षा 2023 की आवश्यक तैयारियों को लेकर अपर जिलाधिकारी सीएस मर्तोलिया की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। शुक्रवार को आयोजित बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी ने सभी परीक्षा केंद्रों के लिए नामित सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटों को परीक्षा को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट सौंपे गए परीक्षा केंद्रों पर जाकर सभी व्यवस्थाओं को परीक्षा से पूर्व देख लें।

उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि परीक्षा केंद्र पर बिजली, पानी एवं अन्य सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त हों। उन्होंने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देशित किया कि उत्तराखंड लोक सेवा आयोग के सभी दिशा निर्देशों का भली भांति पालन करें, तथा नियमानुसार परीक्षा संपन्न कराने की सभी प्रक्रियाओं का पालन किया जाए। परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की समस्या आने पर लोक सेवा आयोग द्वारा जनपद हेतु नामित आयोग प्रतिनिधि से सम्पर्क करने के निर्देश दिए गए हैं। अपर जिलाधिकारी ने सभी सैक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिये कि परीक्षा आरम्भ होने से पूर्व सभी तैयारियों को अवश्य रूप से जांच लें ताकि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की समस्या न आए। उन्होंने कहा कि इस परीक्षा में लगे सभी कार्मिक समय से पूर्व अपने आवंटित परीक्षा केन्द्रों में पहुंचना सुनिश्चित करें।

मासिक धर्म विषय पर खूंट इंटर कॉलेज में लगाया गया जागरूकता अभियान

अल्मोड़ा। सोच संस्था द्वारा अल्मोड़ा जनपद के हवालबाग ब्लॉक के खूंट ग्राम में स्थित गोविंद बल्लभ पंत राजकीय इंटर कॉलेज खूंट में मासिक धर्म विषय पर जागरूकता और सैनिटरी पैड वितरण कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में सोच संस्था के साथ अंतर्राष्ट्रीय संस्था कोचेज एक्रॉस कॉन्टिनेंट्स ने भी प्रतिभाग किया और बच्चों को खेल गतिविधियों के माध्यम से मासिक धर्म विषय के प्रति जागरूक करने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की और भविष्य में भी सोच संस्था के साथ संयुक्त रूप से खेल गतिविधियों के माध्यम से छात्र छात्राओं, महिलाओं और समाज के सभी वर्गों को पीरियड्स विषय पर जागरूक करने हेतु संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन सोच संस्था के सचिव मयंक पंत द्वारा किया गया।

संक्षिप्त खबरें

पदोन्नति सम्बन्धी नियमावली में संशोधन

देहरादून। चतुर्थ श्रेणी कार्मिकों की पदोन्नति की नियमावली में संशोधन व वर्दी भत्ते की दरों में वृद्धि सम्बन्धी शासनादेश जारी कर दिये गये हैं। शुक्रवार को चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की विभिन्न लम्बित मांगों के निराकरण के लिए सचिव, कार्मिक की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में इस मुद्दे पर सहमति बनी। अरुण पांडे ने बताया कि 12 दिसंबर को चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी महासंघ की एक बैठक शासन में हुई थी। बैठक में सहमति बनी थी कि चतुर्थ श्रेणी के पात्र कार्मिकों की लिपिक वर्गीय पदों पर पदोन्नति हेतु शासन द्वारा निर्गत नियमावली में टाइपिंग की गयी व्यवस्था के अनुसार चार हजार की डिप्रेशन प्रति घंटा की गति से टंकण करने वाले अभ्यर्थी अर्ह माने जाते थे। पुरानी व्यवस्था में संशोधन करते हुए 15 नवंबर को चार हजार के स्थान पर चौबीस सौ की डिप्रेशन प्रति घंटा की गति संशोधित नियमावली निर्धारित कर दी गयी है। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को प्रतिवर्ष 2400 रुपए वर्दी भत्ते के रूप में नगद धनराशि उनके खाते में जमा किये जाने सम्बधी शासनादेश भी आज जारी कर दिया गया है। पांडे ने शासन द्वारा जारी किये गये उपरोक्त संशोधनों के लिये मुख्यमंत्री एवं अधिकारियों का धन्यवाद किया।

बिहार की कोर्ट से दून पुलिस ने लिया ट्रांजिट रिमांड

देहरादून। रिलायंस ज्वैलरी शोरूम लूट मामले में बिहार से गिरफ्तार दो अभियुक्तों से दून पुलिस पूछताछ करेगी। पुलिस ने अभियुक्तों का हाजीपुर कोर्ट से ट्रांजिट रिमांड लिया है। दून पुलिस ने घटना में शामिल अभियुक्तों को फंडिंग करने व षड्यंत्र में शामिल अमृत कुमार तथा व विशाल कुमार को 15 नवंबर को गिरफ्तार किया था। दोनों अभियुक्तो को बिहार में हाजीपुर कोर्ट में पेश कर पुलिस द्वारा उनका ट्रांजिट रिमांड लिया गया है। दून पुलिस द्वारा दोनों अभियुक्तों को ट्रांजिट रिमांड पर देहरादून लाया जा रहा है। जहाँ घटना के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जाएगी। इससे पूर्व, पुलिस ने नोएडा में बदमाशों कीक फ्लैट को भी खंगाला। महत्वपूर्ण दस्तावेज मिलने की बात कही है।

मेडिकल कॉलेज की समस्याओं का जल्द होगा समाधानः प्राचार्य डॉ. भैसोड़ा

अल्मोड़ा। जनपद के इकलौते मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। हाल ही में एक गर्भवती महिला को हल्द्वानी रेफर करने और एम्बुलेंस के अल्मोड़ा नगर की सीमा पार करने से पहले ख़राब हो जाने के मामले ने तूल पकड़ा था। वर्तमान में उठ रहे विवादों के बीच मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सी पी भैसोड़ा ने बयान जारी किया है। प्राचार्य द्वारा जारी बयान में कहा कि सोबन सिंह जीना राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान, अल्मोड़ा में ब्लड बैंक संचालन हेतु आवेदन कर दिया गया है तथा इस हेतु देहरादून एवं गाजियाबाद से निरीक्षण हेतु संस्थान में एक टीम आएगी जिसके उपरान्त ब्लड बैंक संचालित किए जाने की अनुमति संस्थान को मिल जाएगी जिसमें लगभग 02 माह का समय लगेगा। उन्होंने कहा कि संस्थान में संचालित 108 वाहन चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अधीन है जो कि मुख्य चिकित्साधिकारी के नियंत्रणाधीन संचालित है। प्राचार्य ने कहा कि विधायक द्वारा सोबन सिंह जीना राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान, अल्मोड़ा को एम्बुलेन्स दिये जाने का आश्वासन दिया गया है जिस हेतु प्रस्ताव 01 सप्ताह के भीतर प्रेषित कर दिया जाएगा। प्राचार्य भैसोड़ा ने कहा है कि सोबन सिंह जीना राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान, अल्मोड़ा से वर्तमान में केवल अति गम्भीर मरीजों को रेफर किया जाता है तथा अन्य रोगियों का उपचार सुचारू रूप से किया जाता है। संस्थान में एमआरआई, आईसीयू, पीआईसीयू तथा ओटी में समस्त सर्जरी, डिजिटल रेडियोग्राफी, डिजिटल मैमोग्राफी व इको कार्डियोग्राफी तथा साथ ही सीटी स्कैन डिजिटल एक्स-रे डायलेसिस, तथा 24 घण्टे लैब की सुविधा उपलब्ध है तथा 50 शैय्या के बेड के क्रिटिकल केयर सेन्टर की अनुमति भी प्राप्त हो गई है। संस्थान में कैंसर मरीजों हेतु रेडियोथेरपी की सुविधा प्रदान की जा रही है तथा संस्थान में मेजर ऑपरेशन की सुविधा कुछ विभागों में शुरू की जा चुकी है तथा अन्य विभागों में जल्द ही संचालित कर दी जाएगी। प्राचार्य ने साथ ही आश्वासन दिया है कि वर्तमान में जिन सुविधाओं का अभाव है, शीघ्र ही उनका समाधान कर दिया जाएगा।

कुमाऊँ गढ़वाल को जोड़ती नंदा देवी एक्सप्रेस 19 नवम्बर से शुरू

अल्मोड़ा। कुमाऊं से गढ़वाल जाने के लिए लोगों को अब परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। रूपकुंड पर्यटन विकास समिति थराली द्वारा अल्मोड़ा श्रीनगर बस सेवा को एक बार फिर से शुरू कराया जा रहा है। रूपकुंड पर्यटन एवं विकास समिति के सचिव देवेंद्र सिंह रावत ने बताया कि पूर्व में अल्मोड़ा- श्रीनगर की बस सेवा चल रही थी, लेकिन कुछ कारण बस बंद कर दी गई थी। उन्होंने बताया कि अब स्थानीय लोगों एवं जनप्रतिनिधियों की मांग पर समिति ने निर्णय लिया है कि नंदा देवी एक्सप्रेस के नाम से इस बस सेवा को फिर से शुरू किया जाए। रावत ने कहा कि सेवा के शुरू होने से गढ़वाल एवं कुमाऊं के लोगों को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि नंदा देवी एक्सप्रेस नाम से बस 02:00 बजे अपराह्न हरिद्वार से चलेगी जो उस दिन श्रीनगर में रात्रि विश्राम करेगी। दूसरे दिन बस 05:30 बजे प्रातः श्रीनगर से चलकर अल्मोड़ा में रात्रि विश्राम करेगी। तीसरे दिन बस प्रातः 5.30 बजे अल्मोड़ा से चलकर हरिद्वार पहुंचेगी।

शराब पीकर वाहन चलाने पर टैक्सी चालक गिरफ्तार, टैक्सी सीज

अल्मोड़ा। जनपद के एसएसपी रामचंद्र राजगुरु द्वारा जनपद के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों, निरीक्षक, उपनिरीक्षक यातायात व इंटर सेप्टर प्रभारी को जनपद में प्रभावी यातायात व्यवस्था एवं सडक़ दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु एमवी एक्ट के मेजर हेड (शराब पीकर वाहन चलाना, ओवरलोडिंग, ओवरसवारी, बिना हेलमेट,ओवर स्पीड/रैश ड्राइविंग, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग व नाबालिग द्वारा वाहन चलाने आदि) के अन्तर्गत प्रभावी कार्यवाही करते सम्बन्धित वाहन चालकों के डीएल निरस्तीकरण की कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। गुरुवार को द्वाराहाट पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान वाहन टैक्सी संख्या- यूके07टीबी- 2085 सूमो के चालक गणेश चन्द्र निवासी ज्वाला गिरी कल्याण, कुनीगाड़, गैरसैंण, जिला चमोली को शराब के नशे में वाहन चलाने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर वाहन टैक्सी को सीज करते हुए चालक के डीएल निरस्तीकरण की कार्यवाही की गई।

ढूंगाधारा मार्ग की हालत ख़राब, जनता में रोष

अल्मोड़ा। विशाल मेगा मार्ट से चर्च होते हुए एडम्स से ढूंगाधारा मार्ग में चलना खतरे से खाली नहीं है। एडम्स से ढूंगाधारा मार्ग में यहाँ जगह-जगह गड्ढे पड़े हुए हैं। यह मार्ग उबड़ खाबड़ हो चुका है, कई वाहन चालक यहाँ चोटिल हो चुके हैं वहीं इस मार्ग में राहगीरों का पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा है। बार-बार मांग के बावजूद नगर पालिका द्वारा इस मार्ग के सुधारीकरण हेतु अब तक कोई प्रयास नहीं किए जाने से क्षेत्र तथा आसपास में रहने वाले व इस मार्ग से आवागमन करने वाले लोगों में पालिका के खिलाफ तीव्र रोष पनप रहा है। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन, नगर पालिका से उक्त मार्ग का शीघ्र सुधारीकरण किए जाने की मांग की है।

महिलाओं के लिए जल्द बनेगी नीति कैबिनेट में आएगा प्रस्ताव : मंत्री रेखा आर्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 18 नवंबर। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए जल्द कैबिनेट में प्रस्ताव रखा जाएगा। महिला एवं बाल विकास व खेल मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि आबकारी विभाग से महिला कल्याण कोष के लिए आठ करोड़ रुपये मिले हैं। विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि महिलाओं और बच्चों के लिए यह धनराशि किस तरह से काम आए इसके लिए कार्ययोजना तैयार की जाए।

महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य ने कहा प्रदेश में महिलाओं के लिए जल्द नीति बनेगीए इसके लिए कैबिनेट में प्रस्ताव लाया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर इसका प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा इस संबंध में शासन स्तर पर भी एक बैठक होगी।प्रयास किया जा रहा है कि अगले साल 2024 में नीति लागू हो सके। मंत्री रेखा आर्य ने शासकीय आवास पर विभाग की समीक्षा बैठक में कहा आबकारी विभाग से महिला कल्याण कोष के लिए आठ करोड़ रुपये मिले हैं। विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि महिलाओं और बच्चों के लिए यह धनराशि किस तरह से काम आए इसके लिए कार्ययोजना तैयार की जाए।

आबकारी विभाग से महिला कोष के लिए मिले आठ करोड रूपये

अधिकारियों को जल्द प्रस्ताव देने के निर्देश

मंत्री ने नाराजगी जताते हुए कहा कि तय समय पर प्रस्ताव तैयार नहीं हुआ। हालांकि इस दिशा में कुछ काम हुआ हैए लेकिन अब भी काफी कुछ किया जाना है। महिला कल्याण जरूरतमंद महिलाओं के लिए स्वरोजगार प्राकृतिक आपदा में प्रभावित महिलाओं के लिए छत उपलब्ध कराए जाने को लेकर अधिकारियों को जल्द प्रस्ताव देने के लिए कहा गया है।मंत्री ने कहा इस प्रस्ताव को कैबिनेट में लाया जाएगा। विभागीय मंत्री ने बैठक में नंदा गौरा योजना की भी समीक्षा की। मंत्री ने कहा अब तक योजना के तहत कितने लाभार्थियों ने आवेदन किया है। आवेदन के दौरान उन्हें किस तरह की परेशानी का सामना करना पड़ा। बैठक में सचिव हरि चंद सेमवाल निदेशक प्रशांत आर्य निदेशक विक्रम सिंह मुख्य परिवीक्षा अधिकारी मोहित चौधरी आदि मौजूद रहे।

प्रतियोगिता में नहीं पहुंचे खिलाड़ी, उद्घाटन का इंतजार करते रह गए मुख्य अतिथि

रुडकी। खेल महाकुंभ के तहत नारसन में ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में खिलाडियों के नहीं आने पर प्रतियोगिता को निरस्त करना पड़ा। मुख्य अतिथि खिलाडियों का इंतजार करने के बाद बिना प्रतियोगिता का उदघाटन किए ही वापस लौट गए। नारसन के राजा महेंद्र प्रताप कॉलेज खेल मैदान पर खेल महाकुंभ के तहत तीन दिवसीय ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता शुरू होनी थी। इसके लिए आयोजकों की ओर से टैंट आदि लगाकर उदघाटन की तैयारी की गई थी। पहले दिन 17-19 आयु वर्ग के खिलाडियों की एथलेटिक्स, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल प्रतियोगिताएं होनी थी लेकिन पर्याप्त संख्या में खिलाड़ी मैदान पर नहीं पहुंचे। नारसन ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कविंद्र चौधरी खिलाडियों की संख्या नहीं दिखने से नाराज होकर बगैर उदघाटन किए वापस लौट गए।

प्रो. बत्रा सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त

हरिद्वार। एसएमजेएन पीजी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सुनील कुमार बत्रा को आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के के सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विधान सभा 25 के लिए नियुक्त किया गया है। प्रो. सुनील कुमार बत्रा ने लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के लिए जनपद के विभिन्न महाविद्यालयों, विश्वविद्यालय के प्राचार्यों से पत्र के माध्यम से उनके महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं का नाम एक जनवरी, 2024 की अर्हता तिथि के आधार पर 18 वर्ष पूर्ण करने व अन्य अर्हताओं के आधार पर निर्वाचक नामावली में पंजीकृत कराये जाने की सूचना मांगी गयी है। सूचना में विद्यार्थी का नाम, जन्मतिथि, कक्षा, विद्यार्थी का वोटर आईडी कार्ड बना है, यदि हाँ तो ईपीआईसी नम्बर तथा यदि नहीं तो क्या वोटर आईडी कार्ड के लिए प्रारूप-6 भरा गया है, अथवा नहीं, आदि सम्मिलित हैं।

युवा ही देश का भविष्य हैं: अंशुल सिंह

हरिद्वार। हरिद्वार रुडकी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अंशुल सिंह युवा क्रिकेट प्रतिभाओं को क्रिकेट के प्रति जागरूक करने का काम कर रहे हैं। लगातार उनके द्वारा युवा पीढ़ी को खेलों के महत्व को भी समझाया जा रहा है। जगजीतपुर स्थित फुटबाल ग्राउंड में युवाओं को खेलों के प्रति जागरूक करते हुए अंशुल सिंह ने कहा कि युवा ही देश का भविष्य हैं। भागदौड़ वाले इस जीवन में खेल शरीर के लिए आवश्यक हैं। शरीर को रोगमुक्त रखने का सशक्त माध्यम खेल हैं। युवा पीढ़ी को खेल के प्रति रूचि को बढ़ाना चाहिए। राज्य सरकार भी लगातार खिलाडियों को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। राज्य में लगातार खेल प्रतियोगिताएं समय समय पर आयोजित की जा रही हैं। युवाओं के लिए खेल भविष्य का भी माध्यम है।

तीन ट्यूबवेल खराब होने से गहराया पेयजल संकट

हल्द्वानी । एक साथ तीन जगहों पर ट्यूबवेल खराब होने से पानी संकट बढ़ गया है। आठ दिनों से बंद भगवानपुर जयसिंह और लोहरियासाल मल्ला गौड़धड़ा के ट्यूबवेल अभी तक ठीक नहीं हो पाए। वहीं अब मंडी गेट के पास मौजूद ट्यूबवेल भी खराब हो गया है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में हर दिन पेयजल संकट बना रहता है। ऐसे में लगातार ट्यूबवेल खराब होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एक सप्ताह से बंद ट्यूबवेल जल संस्थान ठीक नहीं कर पाया है। वहीं मंडी में ट्यूबवेल खराब होने से व्यापारियों के साथ लोगों की परेशानी बढ़ गई है। भगवानपुर निवासी मनोज मेहरा ने कहा, जल्द समस्या का समाधान न होने पर विभागीय अधिकारियों का घेराव कर आंदोलन किया जाएगा। वहीं जल संस्थान के सहायक अभियंता प्रमोद पांडे बताया जल्द ट्यूबवेल ठीक कर आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

महाचेतावनी रैली को सफल बनाने को लेकर किया जागरूक

पौड़ी। उत्तरांचल फेडरेशन ऑफ़ मिनिस्टीरियल सर्विसेज एसोसिएशन उत्तराखंड प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर आंदोलन के पहले चरण के तहत शुक्रवार को भी कर्मचारियों ने काला फीता बांधकर गेट मीटिंग की। जनपद अध्यक्ष रेवती नंदन डंगवाल की अगुवाई में शुक्रवार को जिले के प्रांतीय निर्माण खंड, वन विभाग, शिक्षा विभाग, ग्रामीण विकास, आयुक्त गढ़वाल मंडल में जाकर कर्मचारियों को आगामी कार्यक्रम को लेकर जागरूक किया गया।

नाबालिग के अपहरणकर्ता को बीस साल की सजा

रुडकी। नाबालिग के अपहरणकर्ता को फास्ट ट्रैक कोर्ट ने बीस साल के सजा सुनाई है। साथ ही दोषी पर 35 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड न भुगतने पर दोषी को छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। शासकीय अधिवक्ता विवेक कुश ने बताया कि 18 जून 2021 को रुडकी कोतवाली से नाबालिग संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थी। नाबालिग की बहन ने मोहन कश्यप (48) पुत्र धर्मवीर बाल्मीकि बस्ती चाव मंडी कोतवाली गंगनहर के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कुछ वक्त बाद नाबालिग को बरामद कर मोहन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

पांच गन्ना कोल्हू संचालकों का चालान

रुडकी। सत्यापन अभियान के दौरान पुलिस ने पांच गन्ना कोल्हूओं का चालान किया। उन्होंने मजदूरी करने वाले लोगों का सत्यापन नहीं कराया गया था। पुलिस ने इनका दस- दस हजार रुपये का चालान किया। थाना अध्यक्ष अंकुर शर्मा ने बताया कि कस्बा वह आसपास में दर्जनों की संख्या में गन्ना कोल्हू चलाए जा रहे हैं। इन गन्ना कोलहूओं में कुछ मजदूर दूसरे प्रदेशों से आकर काम कर रहे हैं। ऐसे में बाहर से आए सभी लोगों का सत्यापन अनिवार्य है। इसके अलावा कस्बे में फल मूंगफली आदि की ठेली व रेहड़ी वालों का भी पुलिस द्वारा सत्यापन अभियान चलाया गया। 35 व्यक्तियों का मौके पर ही सत्यापन किया गया।

नौकरी के नाम पर युवती ने साढ़े 25 हजार की ठगी

रुडकी। नौकरी की तलाश कर रही एक युवती को सोशल मीडिया पर साइबर ठगों ने पार्ट टाइम जॉब का लालच देकर रकम हड़प ली। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है। कोतवाली क्षेत्र के थीथकी कवादपुर निवासी कनुप्रिया ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि सोशल मीडिया पर पार्ट टाइम जॉब के लिए एक लिंक मिला। उसे फॉलो कर नौकरी के संबंध में बातचीत की तो आरोपियों ने बीस हजार निवेश करने के लिए, कहा। युवती ने उनके खाते में रकम भेज दी। बताया कि इसके बाद आरोपियों ने कागजी कार्रवाई पूरी करने के नाम पर 6600 रुपये फिर से मांगे। उसने यह रकम भी उनके खाते में भेज दी। युवती ने उनसे नौकरी के संबंध में जानकारी चाही तो आरोपी उसके संपर्क से कट गए।

संक्षिप्त खबरें

21 नवंबर को देहरादून में प्रदर्शन का निर्णय

देहरादून। उत्तराखंड में बिजली की दरों में प्रस्तावित वृद्धि के खिलाफ विपक्षी दलों और सामाजिक संगठनों ने 21 नवंबर को देहरादून में प्रदर्शन का निर्णय किया है। इसके तहत जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा जाएगा। देहरादून में सीपीएम के जिला कार्यालय में आज हुई बैठक में प्रदर्शन का निर्णय किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि ऊर्जा निगम की ओर से बार -बार बिजली की दरों में वृद्धि की जा रही है। पिछले साल भी कई बार वृद्धि की गई। एक तरफ आम जनता महंगाई के त्रस्त है। वहीं, दूसरी तरफ बिजली की दरों में बार बार वृद्धि करके उन पर दोहरी मार डाली जा रही है। इससे आम जनता में भारी रोष व्याप्त है। वक्ताओं ने कहा है कि निजी कम्पनियों के दबाव तथा फिजूलखर्ची के चलते ऊर्जा निगम बार- बार बिजली के दरों में वृद्धि कर जनता से धोखा कर रहा है। बड़े बकायेदारों से वसूली करने के बजाय आमजन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। वक्ताओं ने कहा है कि पिछले कई महीनों से ऊर्जा निगम की ओर से उपभोक्ताओं को उपयोग के विपरीत बिजली के बिल भेजे जा रहे हैं। इससे उपभोक्ताओं में भारी रोष व्याप्त है। वक्ताओं ने उत्तरकाशी टनल में फंसे मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालने की मांग भी राज्य सरकार से की। साथ ही देहरादून में बिगड़ती कानून व्यवस्था तथा लूटपाट कि घटना पर चिन्ता व्यक्त की। बैठक में नवनीत गुंसाई, राजेन्द्र पुरोहित, अनन्त आकाश, अशोक शर्मा, एस एस रजवार, लेखराज, भगवन्त पयाल, प्रभात डण्डरियाल, बालेश बवानिया, जयकृत कण्डवाल, सुरेश कुमार, विपुल नौटियाल, रविंद्र नौडियाल आदि उपस्थित थे।

वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को विधानसभावार प्रभारी नियुक्त किया

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने लोकसभा, स्थानीय निकाय, सहकारिता, दुग्धसंघ के चुनावों को मद्देनजर प्रदेश के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को विधानसभावार प्रभारी नियुक्त किया है। साथ ही उनसे अपेक्षा की है कि वे अपने प्रभार वाले क्षेत्र में जाएं और प्रत्येक बूथ कमेटियों का सत्यापन करें। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष संगठन एवं प्रशासन मथुरा दत्त जोशी ने बताया है कि नवम्बर व दिसम्बर माह के अन्त तक विधानसभा प्रभारियों को बूथ कमेटी, मंडलम कमेटी के सत्यापन का काम पूरा होना है। दिसम्बर के अन्त तक प्रभारियों को बूथ कमेटियों के संबंध में अपनी रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी को प्रेषित करनी है। ताकि आगे की रणनीति पर विचार किया जा सके। उन्होंने बताया कि कांग्रेस लोकसभा चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है तथा वर्तमान में जिलेवार जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ता सम्मेलन भी पूर्णरूप से गतिमान हैं। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा पौडी लोकसभा क्षेत्र के जनपद चमोली, देवप्रयाग, रूद्रप्रयाग के कार्यकर्ता सम्मेलनों में प्रतिभाग कर चुके है। 18 नवम्बर 2023 को पौडी जनपद का जिला कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। साथ ही दिनांक 21 व 22 नवम्बर 2023 को क्रमशः टिहरी और उत्तरकाशी जनपद के कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किये जायेंगे। दिसम्बर माह में कुमाऊं मंडल के अल्मोड़ा, नैनीताल संसदीय क्षेत्रों के कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किये जायेंगे।

वालीबॉल में मालदेवता ने उत्तरकाशी को दी शिकस्त

रुद्रप्रयाग। श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विवि की अंतर महाविद्यालयी पुरुष वालीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ केदारनाथ विधायक शैला रानी रावत ने किया। इस दौरान उन्होंने खिलाडियों से परिचय लिया। राजकीय महाविद्यालय अगस्त्यमुनि के क्रीड़ा मैदान में प्रतियोगिता का पहला मैच मालदेवता एवं उत्तरकाशी के बीच खेला गया। जिसमें मालदेवता ने उत्तरकाशी को सीधे सेटों में 2-0 से हराया। प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए केदारनाथ विधायक शैलारानी रावत ने कहा कि अगस्त्यमुनि महाविद्यालय का यह सौभाग्य है कि उसे इस प्रतियोगिता का मेजबान बनने का अवसर मिला। दूरस्थ क्षेत्र के महाविद्यालय में प्रतियोगिता होने से निश्चित ही उस क्षेत्र के युवाओं को सीखने को मिलता है। प्रभारी क्रीड़ाधिकारी डॉ. शिवप्रसाद पुरोहित ने बताया कि इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में कुल 14 टीमें प्रतिभाग कर रही है। जिन्हें दो वर्गों में बांटकर लीग मैच खिलाए जा रहे हैं। लीग मैच में विजयी टीम क्वार्टर फाइनल मैच खेलगी। शनिवार को सेमिफाइनल एवं फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। प्रतियोगिता से विश्वविद्यालय की टीम का गठन किया जाएगा। जो उत्तरक्षेत्र की अन्तर विवि प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सीताराम नैथानी ने अतिथियों का स्वागत एवं आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जितेन्द्र सिंह ने किया। शुक्रवार को खेले गए अन्य मुकाबलों में कर्णप्रयाग ने जसपाल राणा स्पोर्ट्स कालेज को 2-1 से, नारसन ने पुरोला को 2-0 से, गोपश्वर ने अगस्त्यमुनि को 2-0 से, नैनबाग ने डीएवी रुडकी को 2-0 से कोटद्वार ने मालदेवता को 2-1 से हराया।